भीलवाड़ा/ रविवार 24 नवम्बर 2024

नमस्ते राजस्थान

RNI NO. RAJHIN/2016/74127

वर्ष: 09: अंक: 24 E-Mail: namasterajasthan11@gmail.com, nrnews100@gmail.com भीलवाड़ा संस्करण पृष्ठ 08 मूल्य 4 रुपए हिन्दी साप्ताहिक समाचार-पत्र मो. 9214417111, 8005910698

उपचुनावों में चली भगवा लहर

बीजेपी ने ढहाए हनुमान-ओला के गढ़

जयपुर।

प्रदेश में विधानसभा उपचुनावों में भाजपा परचम लहरा गया है। प्रदेश की 7 में से 5 सीटें भाजपा की झोली में गई हैं। जबकि कांग्रेस और भारतीय आदिवासी पार्टी (बाप) के हिस्से में एक-एक सीट आई हैं। ओला परिवार का होम ग्राउंड मानी जाने वाली झुंझुनूं सीट पर भाजपा का कब्जा हो गया है। इसी तरह हनुमान बेनीवाल का गढ़ खींवसर भी ढह गया। इस सीट पर भी बीजेपी ने शानदार जीत दर्ज की। लेकिन दौसा में बीजेपी को बड़ा झटका लगा। जहां पार्टी के वरिष्ठ नेता किरोड़ी लाल मीणा के भाई जगमोहन मीणा कांग्रेस प्रत्याशी दीनदयाल से चुनाव हार गए।

बीजेपी ने उपचुनावों में पलटी ऐसी बाजी

प्रदेश में जिन 7 सीटों पर उपचुनाव हुए उनमें से केवल सलूंबर सीट पर ही बीजेपी विधायक थे। लेकिन अब उपचुनावों में बीजेपी ने 5 सीटें जीती हैं। इस तरह बीजेपी ने कांग्रेस से तीन और आरएलपी से एक सीट छीन ली है। जबकि सलूंबर सीट पर जीत बरकरार रखी। बीजेपी ने कांग्रेस से रामगढ़, झुंझुनूं, देवली-उनियारा सीटें छीनी हैं। वहीं आरएलपी से खींवसर सीट छीनी है। बीजेपी के अब विधानसभा में 119 विधायक हो गए हैं।

उपचुनाव हार का मिथक तोड़ा

यह जीत बीजेपी के लिए कई मायनों में महत्वपूर्ण है। लंबे अरसे बाद प्रदेश में खुद की सरकार रहते हुए बीजेपी ने उपचुनावों में इतनी बड़ी जीत हांसिल की है। इस मामले में बीजेपी का ट्रैक रिकॉर्ड अभी तक खराब ही रहा है। ऐसे में कहा जा सकता है कि बीजेपी ने उपचुनाव हारने का सियासी मिथक तोड़ दिया है। पार्टी ने बूथ मैनेजमेंट और कमियों को माइक्रो मैनेजमेंट से ठीक करके उपचुनाव में जीत का रास्ता बनाया। खींवसर और झुंझुनूं की जीत बड़ी सियासी कामयाबी है। खींवसर में हनुमान बेनीवाल की पत्नी कनिका बेनीवाल को हराकर बीजेपी ने आरएलपी को उसके घर में मात दे दी। वहीं झुंझुनूं सीट जीतकर बीजेपी ने शेखावाटी में लंबे समय बाद परिपाटी तोड़ने में कामयाबी हासिल की है।

सलूंबर में कांग्रेस को ले डूबी रघुवीर मीणा की नाराजगी

उदयपुर की सलूंबर विधानसभा उपचुनाव में बीजेपी का सहानुभूति का कार्ड चल गया। उसने यहां भारतीय आदिवासी पार्टी (बीएपी) को पटखनी देकर सीट पर फिर से कब्जा कर लिया है। बीजेपी ने यहां अपने दिवंगत विधायक अमृतलाल मीणा की पत्नी शांता देवी को चुनाव मैदान में उतार रखा था। वहीं कांग्रेस को टिकट वितरण के बाद सामने आई पार्टी के वरिष्ठ नेता रघुवीर मीणा की नाराजगी महंगी पड़ गई। हालात ऐसे रहे कि कांग्रेस की यहां जमानत से जब्त हो गई। बाप के लिए यह सीट इस बार उम्मीद की किरण थी और पार्टी ने कड़ा संघर्ष भी किया लेकिन अंत समय में बीजेपी ने बाजी पलट दी और सीट पर अपना कब्जा बरकरार रखा।

दौसा में फेल हुई किरोड़ी की रणनीति

राजस्थान उपचुनावों की बहुचर्चित सीट दौसा में भजनलाल सरकार के कैबिनेट मंत्री किरोड़ीलाल मीणा के भाई जगमोहन मीणा चुनाव हार गए हैं। जगमोहन मीणा को कांग्रेस प्रत्याशी दीनदयाल बैरवा (डीसी बैरवा) ने 2300 मतों से अंतर से चुनाव हराया। यह सीट किरोड़ीलाल मीणा के लिए प्रतिष्ठा का सवाल बनी हुई थी। इस हार के पीछे कारण भितरघात को भी माना जा रहा है। क्योंकि यहां मीणा के भाई को टिकट दिए जाने पर किसी ने सरे आम तो मुखालफत नहीं कि लेकिन अंदरखाने पार्टी में रोष बताया जा रहा है। वहीं सवर्ण वोट भी कांग्रेस के पक्ष में लामबंद हुए, इसका खमियाजा भी कांग्रेस को उठाना पड़ा।

7 में से 5 सीटों पर बीजेपी जीती, कांग्रेस और बाप के खाते में 1-1 सीट

दौसा में भाजपा को मिला झटका

4 सीटों पर कांग्रेस उम्मीदवार तीसरे स्थान पर खिसके

कांग्रेस को बड़ा झटका

इन उपचुनावों में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। कांग्रेस के उम्मीदवार चार सीटों पर तीसरे नंबर पर रहे। देवली-उनियारा, खींवसर, सलूंबर, चौरासी में कांग्रेस तीसरे नंबर पर रही। खींवसर में कांग्रेस उम्मीदवार रतन चौधरी की जमानत जब्त हो गई। जिन सात सीटों पर उपचुनाव हुए उनमें से 4 सीटें कांग्रेस के पास थी। कांग्रेस केवल एक ही सीट जीत पाई। विधानसभा में अब कांग्रेस के 66 विधायक रह जाएंगे।

उपचुनावों के परिणाम

झुंझुनूं - बीजेपी 42448 वोटों से जीती

जीते
झुंझुनूं
हारे
राजेंद्र भांबू
42,848
वोट से जीते
अमित ओला

2023 में बृजेंद्र ओला, कांग्रेस 27572 वोट से जीते थे

बीजेपी - राजेंद्र भांभू (90425)
कांग्रेस - अमित ओला (47577)
निर्दलीय - राजेंद्र सिंह गुढा (38751)

रामगढ़ - बीजेपी 13636 वोटों से जीती

जीते
रामगढ़ (अलवर)
हारे
सुखवंत सिंह
13,636
वोट से जीते
आर्यन खान

2023 में जुबैर खान, कांग्रेस 19696 वोट से जीते थे

वोट मिले -
बीजेपी - सुखवंत सिंह (108811)
कांग्रेस - आर्यन जुबैर (95175)

दौसा - कांग्रेस 2300 वोटों से जीती

जीते
देवली-उनियारा
हारे
राजेंद्र गुर्जर
41,121
वोट से जीते
नरेश मीणा

2023 में हरीश मीणा, कांग्रेस 19175 वोट से जीते थे

वोट मिले -
कांग्रेस - दीनदयाल (75536)
बीजेपी - जगमोहन (73236)

देवली-उनियारा - बीजेपी 41121 वोटों से जीती

जीते
रामगढ़ (अलवर)
हारे
सुखवंत सिंह
13,636
वोट से जीते
आर्यन खान

2023 में जुबैर खान, कांग्रेस 19696 वोट से जीते थे

बीजेपी - राजेंद्र गुर्जर (100599)
निर्दलीय - नरेश मीणा (59478)
कांग्रेस - कस्तूरी चंद मीणा (31385)

खींवसर - बीजेपी 13901 वोटों से जीती

जीते
खींवसर (नागौर)
हारे
रेंवतराम डांगा
13,901
वोट से जीते
कनिका बेनीवाल

2023 में हनुमान बेनीवाल, RLP 2059 वोट से जीते थे

बीजेपी - रेवंत राम डागा (108628)
आरएलपी - कनिका बेनीवाल (94727)
कांग्रेस - डॉ. रतन चौधरी (5454)

सलूंबर - बीजेपी 1285 वोटों से जीती

जीते
सलूंबर
हारे
शांता मीणा
1,285
वोट से जीतीं
जीतेश कटारा

2023 में अमृतलाल मीणा, भाजपा 14691 वोट से जीते थे

बीजेपी - शांता अमृत लाल मीणा (84428)
बीएपी - जीतेश कुमार कटारा (83143)
कांग्रेस - रेशमा मीणा (26760)

चौरासी- बीएपी 24370 वोटों से जीती

जीते
चौरासी (डूंगरपुर)
हारे
अनिल कटारा
24,370
वोट से जीते
कारीलाल

2023 में राजकुमार रोत, बीएपी 69166 वोट से जीते थे

बीएपी - अनिल कुमार कटारा (89161)
बीजेपी - करीलाल (64791)
कांग्रेस - महेश रोत (15915)

झुंझुनूं में 21 साल बाद खिला कमल

जाट लैंड का हार्ट समझी जाने वाली झुंझुनूं सीट पर भी बीजेपी ने कांग्रेस को तगड़ा झटका दिया। पार्टी ने कांग्रेस के सबसे मजबूत माने जाने वाले गढ़ को ढहाते हुए 21 साल बाद इस सीट पर कब्जा जमाया है। यहां बीजेपी प्रत्याशी राजेन्द्र भांभू ने कांग्रेस के दिग्गज नेता रहे शीशराम ओला के पौत्र और कांग्रेस प्रत्याशी अमित ओला को 42 हजार से अधिक वोटों से जबर्दस्त शिकस्त दे दी। झुंझुनूं की जीत से बीजेपी खेमे में जबर्दस्त उत्साह का माहौल है। बीजेपी यहां बीते चार चुनाव से अपनों की बगावत का सामना करते-करते थक गई थी। इस बार उसने बगावत पर काबू पाकर एकमुखी होकर चुनाव लड़ा था। उसका परिणाम भी उसे मिल गया है। कांग्रेस के अमित ओला की हार को यहां परिवारवाद पर मतदाताओं की गहरी चोट माना जा रहा है। बार-बार टिकट ओला परिवार को ही दिए जाने से कांग्रेस के कोर वोटर अल्पसंख्यक समुदाय और अन्य दावेदार बेहद खफा थे। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव में भी शीशराम ओला के बेटे बृजेन्द्र ओला को चुनाव मैदान में उतारा था।

रामगढ़ में नहीं चला कांग्रेस का सहानुभूति कार्ड

प्रदेश में भाजपा के लिए सबसे मुश्किल मानी जा रही रामगढ़ सीट पर भी भगवा लहर चल गई। पार्टी ने यहां से जीत दर्ज कर चुनावी पंडितों को चौंका दिया। बीजेपी ने यह सीट कांग्रेस के जबड़े से छीनी है। इस इलाके में अक्सर हर चुनाव हिन्दू-मुस्लिम कार्ड के बीच फंस जाता है। हैरानी की बात यह है कि इस बार उपचुनाव में कांग्रेस का सहानुभूति का कार्ड यहां नहीं चल पाया। कांग्रेस ने मुस्लिम बाहुल्य इस सीट पर अपने दिवंगत विधायक जुबेर खान के बेटे आर्यन खान को चुनाव मैदान में उतार कर सहानुभूति बटोरने की कोशिश की थी लेकिन वह सफल नहीं हो पाई। बीजेपी ने यहां इस बार बगावत पर काबू पाकर मैदान मार लिया। यहां बीजेपी प्रत्याशी सुखवंत सिंह ने कांग्रेस के आर्यन खान को 13636 मतों से हराया है। रामगढ़ की सीट बीजेपी और कांग्रेस दोनों ही पार्टियों के लिए प्रतिष्ठा का सवाल बनी हुई थी। इस सीट पर बीजेपी के कट्टर हिन्दूवादी नेता ज्ञानदेव आहूजा तीन बार काबिज कर रह चुके हैं। लेकिन बीते दस साल से यह सीट कांग्रेस के खाते में थी। विधानसभा चुनाव 2023 में जीते विधायक जुबेर खान का बीमारी के कारण निधन हो जाने से यह सीट खाली हुई थी।

खींवसर में भी बेनीवाल पर भारी पड़ा परिवारवाद

प्रदेश की सबसे हाईप्रोफाइल सीट मानी जा रही खींवसर सीट पर भी बीजेपी ने जीत दर्ज की। आरएलपी सुप्रीमो हनुमान बेनीवाल की पत्नी कनिका बेनीवाल यहां से प्रत्याशी थीं। इस सीट को बेनीवाल परिवार का गढ़ माना जाता है लेकिन इस चुनाव में ये गढ़ भी ढह गया। बीजेपी ने झुंझुनूं की तरह खींवसर सीट पर भी धमाकेदार जीत दर्ज कराकर सबको चौंका दिया। खींवसर में बीजेपी के रेंवतराम डांगा ने आरएलपी चीफ और नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल की पत्नी कनिका बेनीवाल को 13901 वोट से हराकर वहां कमल खिला दिया। विधानसभा चुनावों में रेंवतराम बीजेपी की टिकट पर ही यहां से बेहद कम मतों से हारे थे। हनुमान बेनीवाल के सांसद चुने जाने पर सीट खाली हुई और 10 महीने बाद हुए उपचुनाव में बीजेपी ने डांगा की लोकप्रियता को भुनाते हुए वापस उन्हें ही मैदान में उतारकर आखिरकार 'मैदान' मार लिया। वहीं आरएलपी की इस हार के पीछे परिवारवाद की राजनीति को भी जिम्मेदार माना जा रहा है।

छा गई भजन-मदन की जोड़ी, कांग्रेस में सन्नाटा

जयपुर।

प्रदेश में 7 सीटों पर हुए उपचुनावों को भजनलाल सरकार के लिए लिटमस टेस्ट माना जा रहा था। लेकिन 5 सीटों पर मिली धमाकेदार जीत ने भजनलाल सरकार पर सवाल उठाने वालों को करारा जवाब दिया है। राजस्थान के ये उपचुनाव पहली विधायक बनकर सीएम बने भजनलाल शर्मा और कुछ माह पहले पार्टी की प्रदेश इकाई की बागडोर संभालने वाले मदन राठौड़ के लिए अग्नि परीक्षा माने जा रहे थे। लेकिन भजन और मदन की जोड़ी चुनावों में हिट साबित हुई। दोनों ही नेता केन्द्रीय नेतृत्व के विश्वास पर खरे उतरे हैं।

इन चुनावों में पांच सीटों पर जीत दर्ज करवाकर सीएम भजनलाल और प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने यह साबित कर दिया कि अगर सटीक रणनीति हो तो सबकुछ संभव है। इन पांच सीटों पर जीत ने बीजेपी की भजनलाल सरकार के 11 महीने के कामकाज पर मुहर लगा दी है। इससे बीजेपी खेमे में जबर्दस्त उत्साह की लहर है।

कांग्रेस और आरएलपी सदमे में

वहीं कांग्रेस और आरएलपी इन चुनाव परिणामों से सदमे में है। वे बीजेपी की जीत के पीछे उस पर साम दाम दंड और भेद सभी तरह के हथकंडे अपनाने का आरोप लगा रही है। यहां एक बात और गौर करने वाली है कि इस बार कांग्रेस का सहानुभूति का वाला कार्ड नहीं चला लेकिन बीजेपी का चल गया। कांग्रेस ने रामगढ़ में अपने दिवंगत विधायक जुबेर खान के बेटे आर्यन खान को चुनाव मैदान में उतारा था लेकिन वे सहानुभूति की नाव पर सवार नहीं हो सके। दूसरी तरफ बीजेपी ने सलूंबर में अपने दिवंगत विधायक अमृतलाल मीणा की पत्नी शांता देवी को चुनाव लड़वाया था और वे जीत गईं।

महाराष्ट्र में भाजपा गठबंधन की सरकार

शिंदे बोले- सीएम तीनों पार्टियां मिलकर तय करेंगी; फडणवीस ने कहा- एक हैं तो सेफ हैं

मुंबई।

महाराष्ट्र चुनाव रिजल्ट में महायुति ने एक तरफा बढ़त बनाई है। 288 विधानसभा सीटों में भाजपा गठबंधन 230 पर आगे है, जिसमें से 107 सीटों पर जीत मिल चुकी है। 123 पर आगे हैं।

वहीं कांग्रेस के नेतृत्व वाले महा विकास अघाड़ी (ख्क्ष) 50 का आंकड़ा भी पार करता नहीं दिख रहा। अभी तक ख्क्ष ने 22 सीटें जीत ली है, 24 पर आगे हैं।

राज्य में भाजपा गठबंधन की सरकार बनना तय है। मुख्यमंत्री शिंदे और देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि तीनों पार्टी मिलकर तय करेंगी कि राज्य का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा। इससे पहले फडणवीस ने सोशल मीडिया पर लिखा था- एक हैं तो सेफ हैं।

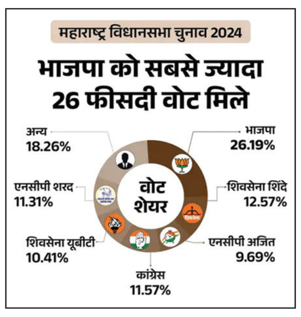

महायुति में बीजेपी, शिवसेना (एकनाथ शिंदे) और एनसीपी (अजित पवार) शामिल है, जबकि महाविकास अघाड़ी में कांग्रेस, शिवसेना (उद्धव ठाकरे) और एनसीपी (शरद पवार) है। महाराष्ट्र विधानसभा की 288 सीटों पर 20 नवंबर को वोटिंग हुई थी। 2019 के मुकाबले इस बार 4% ज्यादा वोटिंग हुई। 2019 में 61.4% वोट पड़े थे। इस बार 65.11% वोटिंग हुई।

15 राज्यों की 46 विधानसभा, 2 लोकसभा के नतीजे

वायनाड में प्रियंका 4 लाख+ वोटों से जीतीं, एमपी में मंत्री हारे, यूपी की 9 में 7 पर भाजपा गठबंधन जीता

नई दिल्ली। 15 राज्यों की 46 विधानसभा और 2 लोकसभा (वायनाड, नांदेड़) सीटों पर काउंटिंग पूरी हो चुकी है। वायनाड लोकसभा सीट पर प्रियंका गांधी ने सीपीआई के सत्यन मोकेरी को 4 लाख 10 हजार वोटों से हराया। भाजपा की नव्या हरिदास (1 लाख 9 हजार वोट) तीसरे नंबर पर रहीं।

प्रियंका अपने भाई राहुल के 5 साल पुराने जीत का रिकॉर्ड नहीं तोड़ पाईं। राहुल ने 2019 के लोकसभा चुनाव में CPI (M) के पीपी सुनीर को 4 लाख 31 हजार वोटों के अंतर से हराया था। महाराष्ट्र की नांदेड़ लोकसभा सीट पर कांग्रेस के रवीन्द्र वसंत राव चव्हाण ने भाजपा के संतुक हंबार्डे को 1457 वोट से हराया। यहां आखिरी राउंड की गिनती में देर रात 10 बजे के करीब परिणाम घोषित हुआ।

मध्य प्रदेश की विजयपुर सीट पर कांग्रेस से भाजपा में आए वन मंत्री रामनिवास रावत हार गए। वहीं, उत्तर प्रदेश की 9 विधानसभा सीटों में से भाजपा गठबंधन को 7 और सपा को 2 सीटों पर जीत मिली है। चुनाव से पहले इन 46 सीटों में से 27 सीटों पर विपक्ष का कब्जा था। इनमें अकेले कांग्रेस के पास 13 सीटें थीं। वहीं, भाजपा की 11 सीटों समेत ह्ष्ठ के पास कुल 17 सीटें थीं।

सीकर में 8 हजार से ज्यादा बिजली कनेक्शन पेंडिंग:

विधायकों ने बैठक में रखी समस्याएं,ऊर्जा मंत्री बोले- पुरानी सरकार के पास इंफ्रास्ट्रक्चर नहीं था

नमस्ते राजस्थान

सीकर ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर आज एक दिवसीय दौरे पर सीकर आए। उन्होंने कलेक्ट्रेट सभागार में बिजली विभाग के संभाग स्तरीय अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में सीकर कलेक्टर मुकुल शर्मा के अतिरिक्त सांसद अमराराम,धोद विधायक गोरधन वर्मा, नवलगढ़ विधायक विक्रम जाखल,सैनिक कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष प्रेम सिंह बाजौर भी मौजूद रहे। सीकर सांसद अमराराम,धोद विधायक गोरधन वर्मा ने बिजली विभाग में पेंडिंग चल रहे एग्रीकल्चर बिजली कनेक्शन का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा- जल्द ही रबी की फसल की बुवाई होने वाली है। जिले में आज भी जिले करीब 8 हजार से ज्यादा बिजली कनेक्शन पेंडिंग है। लोगों ने डिमांड राशि जमा करवा दी। इसके बावजूद भी लोगों को कनेक्शन नहीं मिल पाए हैं। मंत्री ने बिजली विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जल्द से जल्द कनेक्शन दिए जाए। इस पर बिजली विभाग के एसई अरुण जोशी ने जवाब दिया कि पहले तो अप्रैल में आचार संहिता के चलते लोगों को कनेक्शन नहीं मिल पाए। इसके बाद कनेक्शन दिए जा रहे हैं। 2025 में जुलाई से अगस्त तक सभी को कनेक्शन दे दिए जाएंगे।

राजस्थान सरकार लगातार बिजली के क्षेत्र में काम कर रही

नवलगढ़ विधायक विक्रम जाखल ने अपने इलाके में बिजली ओवरलोडिंग,किसानों को पर्याप्त बिजली देने की बात कही। बैठक में सीकर सांसद अमराराम ने थोई इलाके में एक जले हुए ट्रांसफार्मर का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि डेढ़ महीने से वह ठीक नहीं हुआ। जब भी अधिकारियों को उसके बारे में पूछते हैं तो जवाब मिलता है कि आ रहा है, लेकिन अब तक ट्रांसफार्मर नहीं आया। इस पर बिजली विभाग के अधिकारियों ने कहा कि वह पुराने मॉडल का है। उसके ट्रांसपोर्टेशन के लिए प्रक्रिया पूरी कर दी गई है। अमराराम ने जब पेंडेंसी का जिक्र किया तो मंत्री ने कहा की पुरानी सरकार ने कनेक्शन तो जारी कर दिए लेकिन उनके पास में न तो कोई इंफ्रास्ट्रक्चर था और न ही कोई प्लान लेकिन अब राजस्थान सरकार लगातार बिजली के क्षेत्र में काम कर रही है। जिससे कि आने वाले समय में सरकार को महंगी दरों पर बिजली न खरीदनी पड़े। इसके साथ ही किसानों को भी पर्याप्त बिजली उपलब्ध करवाई जा सकें। पूर्व की सरकार हर 3 या 6 महीने से लोन लेकर पैसा लगाती थी लेकिन हमने अब तक कोई भी लोन नहीं लिया है।

दोपहर में भी किसानों को बिजली देने का प्रयास

बैठक में मंत्री हीरालाल नागर ने अधिकारियों को कहा- विभाग मं प्राइवेट लोगों को लगाओ लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि वहां विभाग के आदमी भी उनके साथ काम करने वाले हो और उन पर मॉनिटरिंग रख सकें। मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि हमारा प्रयास है कि दोपहर में भी किसानों को ज्यादा से ज्यादा बिजली मिल सकें। इसके लिए प्रयास है कि हर जीएसएस से दोपहर में भी बिजली दी जा सके। मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि अब तक राइजिंग राजस्थान में 20 लाख करोड़ के टडव अब तक हो चुके हैं। यह आंकड़ा 25 लाख करोड़ तक पहुंचेगा। जल्द ही हम ऊर्जा नीति भी लेकर आएंगे। जिससे कि यहां आने वाले इन्वेस्टर भी प्रोत्साहित हो और युवाओं को भी ज्यादा से ज्यादा रोजगार मिल सकें।

जोधपुर में रिटायर्ड एडिशनल एसपी के घर में लूट:

नौकरों ने बहू को नशीला पदार्थ खिलाया, सोने-चांदी के गहने लेकर भागे

नमस्ते राजस्थान

जोधपुर जोधपुर में रिटायर्ड एडिशनल एसपी के घर में काम करने वाले 2 नौकरों ने लूट की वारदात की। आरोपियों ने घर में मौजूद रिटायर्ड एसपी की बहू को ग्रीन टी में नशीला पदार्थ खिलाकर बेहोश किया। इसके बाद सोने-चांदी के गहने लेकर फरार हो गए। नौकरों ने लूट के लिए बाहर से साथी बुलाए थे। रिटायर्ड एसपी अपने परिवार के साथ गुरुवार शाम गांव में शादी अटैंड करने गए थे। परिवार जब घर से निकला तब सब कुछ सही था। शुक्रवार को दोपहर 12.30 बजे उनकी पुत्र वधु त्वरिता का कॉल उनके बेटे लोकेंद्र के पास आया। त्वरिता की आवाज स्पष्ट नहीं थी लेकिन उसने यह बता दिया नौकर कीमती सामान चुरा ले गए उसे चाय में कुछ नशीला पदार्थ दिया गया है । इस पर रिटायर्ड एसपी ने पुलिस को सूचना दी। वह बेटे लोकेंद्र के साथ घर पहुंचे तो उनकी बहू बेहोशी की हालत में मिली। लूट की जानकारी मिलने पर पुलिस तुरंत एक्टिव हुई और आरोपियों का पीछा कर बिलाड़ा से पकड़ लिया। घटना बीजेएस इलाके की है।

नेपाली नौकरों ने ग्रीन टी में मिलाया नशीला पदार्थ

जानकारी के अनुसार बीजेएस कॉलोनी में गली नंबर-12 में रिटायर्ड एडिशनल एसपी चंदन सिंह का घर है। गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे रिटायर्ड एडिशनल एसपी के घर में उनकी बहू अकेली थी। नेपाली नौकरों ने उसे ग्रीन टी में नशीला पदार्थ मिलाकर दिया। नौकरों ने बाहर से अपने साथियों को बुलाकर घर में रखे सोने-चांदी के जेवर लूटकर फरार हो गए। दोपहर करीब 2 बजे रिटायर्ड एडिशनल एसपी चंदन सिंह घर पहुंचे तो उनको बहू बेहोशी की हालत में मिली, जिसे महात्मा गांधी अस्पताल में भर्ती कराया। लूट की सूचना मिलने पर कमिश्नर राजेन्द्र सिंह के निर्देश पर एडीसीपी ईस्ट वीरेंद्र सिंह राठौड़ के सुपरविजन में महामंदिर एस एच ओ शिवलाल मीणा के अधीन एक टीम का गठन किया गया। तुरंत नाकाबंदी कर नौकरों के फोटो सकुर्लेट किए गए। आस पास काम करने वाले नेपाली नौकरों से पूछा तब जानकारी मिली कि और भी लोग शामिल है। पुलिस के 2 घंटे की मेहनत के बाद नेपाली दंपति राज और काजल सहित राजकुमार, सुभाष, दीपेंद्र, राजन ,सुरेश और गणेश को पकड़ा, ये सभी नेपाल के कैलाली निवासी है।

पुलिस ने अलग-अलग जगहों से 8 लोगों को पकड़ा

इस दौरान पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी जयपुर रूट की तरफ गए हैं। इस पर पुलिस टीम ने पीछा कर बिलाड़ा से 2 नौकरों को एक बस से पकड़ लिया। इस दौरान पता चला कि उनके साथ लूट में 6 और लोग शामिल हैं। इनमें से 2 आरोपी प्राइवेट गाड़ी करके भागे हैं। बाकी 4 को अन्य बसों से पकड़ा।

नेपाल भागने की फिराक में थे

महामंदिर थाना अधिकारी शिवलाल मीणा ने बताया- चंदन सिंह के घर में काजल और राज काम करते थे। उन्होंने मौका देखकर चंदन सिंह की बहू को नशीला पदार्थ खिलाया और सोने-चांदी के गहने लूटकर फरार हो गए। चंदन सिंह घर पहुंचे तब उन्हें लूट की जानकारी मिली। सूचना मिलने पर पुलिस ने तुरंत नौकरों की 4 उनको बिलाड़ा से पकड़ लिया। आरोपी जयपुर होकर दिल्ली से उत्तर प्रदेश होते हुए नेपाल भागने की फिराक में थे।

10-10 हजार में बुक करवाई कार

लुट के लिए आए अन्य साथियों ने झालामंड से 10,10 हजार में दो कार बुक करवाई, और कहा शादी में जयपुर जाना है और जल्दी पहुंचना है। मास्टर माइंड काजल और राज बस से भागे बाकी आरोपी निजी कार कर जयपुर भाग रहे थे।

जोधपुर कृषि विवि का रिमोट पायलट प्रशिक्षण केंद्र लॉन्च:

किसान बनेंगे ड्रोन पायलट, कृषि विश्वविद्यालय देगा प्रशिक्षण,दसवीं पास को रोजगार मिल पाएंगे

नमस्ते राजस्थान

जोधपुर पश्चिमी राजस्थान में पहला रिमोट पायलट ट्रेंनिंग सेंटर कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर के परिसर में शुरू किया गया है। अब यहां किसानों को खेती में इस्तेमाल करने के लिए ड्रोन उड़ाने की ट्रेनिंग दी जाएगी। योजना के तहत दसवीं पास युवा काश्तकार ड्रोन की ट्रेनिंग लेकर रोजगार पा सकेंगे। 7 दिवसीय ट्रेनिंग के लिए 50 हजार रुपए फीस रखी गई है लेकिन इसमें आधी राशि राज्य सरकार खुद वहन करेगी। ड्रोन में भी सब्सिडी का प्रावधान है। ड्रोन तकनीक सीखने के बाद युवा एवं किसान ना सिर्फ आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ेंगे बल्कि पानी की बचत सहित पेस्टिसाइड से होने वाले विभिन्न नुकसानों से भी खुद को सुरक्षित रख पाएंगे।

न फसल खराब होगी न ज्यादा कीटनाशक का छिड़काव होगा

ड्रोन ट्रेंनिंग के लिए कृषि विश्वविद्यालय के साथ एमओयू करने वाली कंपनी की शेल्का गुप्ता एवं विनय यादव ने बताया कि ड्रोन के इस्तेमाल से पानी की बचत का फायदा होगा। ड्रोन स्पे में पानी की मात्रा बहुत कम की जरूरत रहती है। साथ ही फसलों में अत्यधिक कीटनाशक का इस्तेमाल का ढर्रा बदल जाएगा। जितना जरूरी होगा उतना ही कीटनाशक छिड़का जाएगा। इससे हानिकारक कैंसर जैसी बीमारियों से बचाव होगा। किसान को कम लेबर की जरूरत रहेगी। इससे उसको खर्च कम आएगा। जोधपुर विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग सेंटर निदेशक डॉ प्रदीप पगारिया ने बताया कि जल्दी ही ट्रेनिंग कार्यक्रम विश्वविद्यालय में आरंभ कर दिया जाएगा।

क्या राजस्थान के स्टूडेट्स को नहीं मिलेंगे फ्री स्वेटर-जूते:

शिक्षामंत्री मदन दिलावर बोले - उरफ फंड आने पर ही उपलब्ध कराए जाएंगे

नमस्ते राजस्थान

जयपुर राजस्थान के सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स को सर्दी में स्वेटर और जूते के लिए थोड़ा और इंतजार करना पड़ सकता है। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा- फिलहाल शिक्षा विभाग स्टूडेंट्स को फ्री स्कूल ड्रेस ही देगा। अगर हमारे पास पर्याप्त सीएसआर (कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी) फंड आएगा, तभी स्टूडेंट्स को स्वेटर और जूते उपलब्ध कराए जाएंगे। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा- राजस्थान के शिक्षा विभाग द्वारा स्टूडेंट्स को फ्री स्वेटर और जूते (शूज) देने की घोषणा नहीं की गई है। शिक्षा विभाग द्वारा जो यूनिफॉर्म स्टूडेंट्स को दी जाती है। उसके साथ हम सीएसआर एक्टिविटी के तहत स्वेटर और जूते (शूज) स्टूडेंट्स को देने की कोशिश करेंगे।

कांग्रेस ने स्टूडेंट्स के साथ निकली दुश्मनी

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा- कांग्रेस की पूर्व सरकार ने काफी पाप किए हैं। यहां बिल्डिंग नहीं थी, वहां उन्होंने स्कूल खोल दिए। जहां इंग्लिश मीडियम में पढ़ाने वाले नहीं थे। वहां उन्होंने इंग्लिश मीडियम स्कूल का बोर्ड लगा दिया। यह कांग्रेस ने राजस्थान के स्टूडेंट के साथ सबसे बड़ी शत्रुता की है। जहां बिल्डिंग नहीं थी, टीचर नहीं थे। फिर भी उस स्कूल को इंग्लिश मीडियम बना दिया। पूर्व कांग्रेस सरकार ने हिंदी मीडियम स्कूलों से आधे टीचर इंग्लिश मीडियम स्कूलों में भेज दिए। इससे न हिंदी मीडियम स्कूल वाले स्टूडेंट्स पढ़ पाए और न ही इंग्लिश मीडियम स्कूल वाले स्टूडेंट्स की पढ़ाई हो पाई। इससे राजस्थान के स्टूडेंट्स का बहुत बड़ा नुकसान हुआ है। सीधे शब्दों में कहूं तो कांग्रेस ने राजस्थान के स्टूडेंट से दुश्मनी निकालने का काम किया है। कांग्रेस स्टूडेंट्स को पढ़ने नहीं देना चाहती थी। उनसे स्टूडेंट की पढ़ाई अच्छी नहीं जा रही थी। बल्कि, पूर्व सरकार स्टूडेंट्स की पढ़ाई को डिस्टर्ब करने का काम कर रही थी।

रायपुर नगर पालिका की अनदेखी वार्डो में नाली वह रोड की समस्या आई सामने

नमस्ते राजस्थान

गुरला:-रायपुर नगर पालिका की खबर आई सामने अब रोड और नाली की व्यवस्था पक्की नहीं होने से लोगों में आक्रोश दिखाई दे रहा है अमरचंद रेगर का कहना है कि वार्ड नंबर 12 वे 13 मैं नाली निर्माण और रोड निर्माण का कार्य 5 साल हो चुके हैं लेकिन अभी तक कोई कार्य नहीं हुआ ग्रामीण जब भी पानी आता है तब आना जाने वाले राज गिरी पानी रोड पर आते है तो वहां से कहीं बार महिला बच्चे बूढ़े बाइक पर आने जाने वाले लोग गिर जाते हैं और वार्ड नंबर 12 13 के पार्षदों को भी बताया और चेयरमैन को भी अवगत कराया लेकिन अभी तक कोई कार्य नहीं हुइ ग्रामीणों का कहना है कि अगर यह बात नहीं सुनते हैं तो आगे तक कार्यवाही की जाएगी

सर गांव में अश्व दौड़ प्रतियोगिता हुई संपन्न, घुड़सवारो ने दिखाया अपना दमखम

जयवर्धन सिंह ने जीता सिल्वर मेडल,बढ़ाया भीलवाड़ा का मान

H.H. MAHARAJA ... NWANT SINGH
MEMORI ... E 2024

नमस्ते राजस्थान

भीलवाड़ा : जोधपुर के निकट सर गांव में महाराजा हनवत सिंह संधीरियल राइड 40 किमी दौड प्रतियोगिता शुक्रवार को संपन्न हुई । प्रतियोगिता में करीव 60 अश्वों ने भाग लिया। प्रतियोगिता एन्ड्?योरेन्स राइड इक्विस्टेरियन फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में जोधपुर पोलो एण्ड इक्विस्टेरियन इंस्टीट्?यूट अखिल भारतीय मारवाड़ी हॉर्स सीसापटी की ओर से कराई गई। यह एन्डयोरेन्स राइड सर व भांडू सरहद से पुनः मर तक जाएगी। इससे पहले नामावत ने बताया कि यह प्रतियोगिता वर्ष 2004, 2005, 2007, 2009, 2010 2012. 2023 में भी आयोजित कर चुके है। इस प्रतियोगिता में जयवर्धन सिंह चुंडावत ने 40 किलोमीटर की रेस में सिल्वर मेडल जीता । उनके पिता शक्ति सिंह चुंडावत ने बताया कि जय वर्धन सिंह बचपन से ही घुड़सवारी के शौकीन थे । इस प्रतियोगिता में वरिष्ठ घुड़सवार एवं आर्मी के उच्च अधिकारी मौजूद थे ।

आसींद थाने के अंतर्गत खराब सड़क के कारण अनियंत्रित होकर पलटी कार

नमस्ते राजस्थान

सांवर मल शर्मा आसींद थाने के अंतर्गत जालरिया पंचायत के अंतर्गत पिछले दो वर्षों से भानाश गांव से मरेवडा तक 7 किलोमीटर सड़क पर गिट्टी बिछाई हुई है लेकिन कार्य बंद पड़ा जिसको लेकर आए दिन हादसे हो रहे हैं वहीं शनिवार दोपहर मरेवडा से आ रही कार अनियंत्रित होकर पलट गई वहीं घनीमत रही की कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ जेसीबी के द्वारा कार को सही किया गया

विराट त्रिशूल दीक्षा व हिन्दू धर्म सभा 5 जनवरी को भीलवाड़ा में

नमस्ते राजस्थान

बजरंग दल
सेवा सुरक्षा संस्कार
त्रिशूल दीक्षा

विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के द्वारा में भीलवाड़ा में विराट त्रिशूल दीक्षा व हिंदू धर्मसभा का आयोजन किया जाएगा। बजरंग दल महानगर संयोजक अखिलेश व्यास व प्रसार प्रसार प्रमुख प्रितेश जैथलिया ने बताया कि 5 जनवरी रविवार को गुरु गोविंद सिंह जयंती की पूर्व संध्या पर विराट त्रिशूल दीक्षा का आयोजन किया जाएगा। जिसको लेकर महानगर के सातों प्रखंडों में बैठके आयोजित की जा रही है। कार्यक्रम की भव्यता को लेकर सभी प्रखंड के प्रभारी भी बनाये जा रहे है कार्यक्रम को भव्य बनाने के लिए तैयार जोरो पर है।

कन्या महाविद्यालय में स्लोगन एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

नमस्ते राजस्थान

भीलवाड़ा, सेठ मुरलीधर मानसिंहका राजकीय कन्या महाविद्यालय में शुक्रवार को निर्वाचन साक्षरता क्लब के तत्वाधान में प्राचार्य डॉ. सावन कुमार जांगिड़ की अध्यक्षता में स्लोगन एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। ईएलसी नोडल अधिकारी डॉ, शोभा गौतम ने बताया कि पोस्टर प्रतियोगिता में 45 छात्राओं ने तथा स्लोगन प्रतियोगिता में 20 छात्राओं ने भाग लिया। स्लोगन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर वंशिका सेन, दूसरे स्थान पर राजनंदनी योगी तथा तीसरे स्थान पर नेहा खटीक तथा खुशी खटीक रही। पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम अंतिम सेन एवं अर्पिता विजयवर्गीय द्वितीय चंचल प्रजापत एवं सोनिया माली तथा तृतीय स्थान पर प्रियांशी भट्ट एवं कोमल तेली रही। कार्यक्रम का संचालन रीना सालोदिया ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन अंजलि अग्रवाल द्वारा दिया गया। डॉ. अनिल कुमार सुराणा ने छात्राओं को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर डॉ. सरोज मेहता, इंदु बाला पटवारी, प्रतिभा राव तथा सभी संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

गूंदली में नशा मुक्ति के लिए लगी योग क्लास बच्चों ने ली शपथ

नमस्ते राजस्थान

गुरला:-(बद्री लाल माली) राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गूंदली हम सबका यही है नारा, नशा मुक्त हो देश हमारा ! एक दो- एक दो बीड़ी सिगरेट फेंक दो । आज इसी तरह के नशा मुक्ति से ओत-प्रोत कई तरह के नारों से गुंजायमान राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गूंदली के प्रार्थना सत्र में नशा मुक्ति के संदेश के साथ योग प्रशिक्षक भंवरलाल शर्मा ने विद्यालय में योग की क्लास ली । विद्यालय के केआरपी महेश मंडोवरा ने बताया कि योग प्रशिक्षक शर्मा ने योग के आठ अंगों में से एक प्राणायाम करवाया जिसमें सांसों को नियंत्रित करना,चिंता और तनाव से दूर रहकर एकाग्रचित होकर अध्ययन करने एवं चेतना के विकास के लिए प्राणायाम का महत्व बताया ।साथ ही विभिन्न प्रकार के आसन जिनमें पद्मासन, वज्रासन, मत्स्यासन, वक्रासन, हलासन, पवनमुक्तासन, सर्वांगासन जैसे कई आसनों का अभ्यास करवाया। सभी बच्चों और स्टाफ को अनुलोम विलोम एवं कपाल भाति के अभ्यास के साथ ही इनका महत्व बताया गया । विद्यालय के समस्त बच्चों एवं स्टाफ ने योग का महत्व समझा एवं नशा मुक्ति की शपथ ली । इस हेतु सभी छात्र-छात्राओं को गांव में प्रचलित विभिन्न प्रकार के प्रचलित नशों का विरोध करके समझाइश कर नशा मुक्ति समाज बनाने हेतु प्रेरित किया गया । इस अवसर पर योग प्रशिक्षक भंवरलाल शर्मा के योग और नशा मुक्ति हेतु निस्वार्थ प्रेरक के रूप में सेवाओं के लिए विद्यालय के प्रधानाचार्य लादूराम दाधीच, मुरलीधर अहीर,कन्हैया लाल शर्मा,संजीव मेहता,महिपाल सिंह चुंडावत,सत्यनारायण खटीक,श्याम लाल विश्नोई,सुनीता ठकार,रतन कंवर राठौड़,मोहन लाल रेगर ने मेवाड़ी पगड़ी और अपर्णा पहना कर स्वागत किया और धन्यवाद ज्ञापित किया ।

महामंदिर थाना क्षेत्र की पुलिस ने लूट का प्रयास करने वाली गैंग के नेपाली आठ लोगों को पकड़ा

नमस्ते राजस्थान

रिपोर्ट : गजेन्द्र जांगिड़ जोधपुर जिले में नेपाली नौकर सेवानिवृत एएसपी के घर बिना डरे और बिना हिचके जहरखुरानी कर घर में सोना चांदी के गहने लूट ले गए थे लेकिन पुलिस ने उन्हें नेपाल भागने से पहले ही धर दबोच लिया महामंदिर थाना क्षेत्र में रहने वाले पुलिस के सेवानिवृत एएसपी के घर काम करने वाले नेपाली नौकर पुत्रवधू के साथ जहरखुरानी कर लाखों का माल लेकर चंपत हो गए। घटना की जानकारी मिलने के बाद सक्रिय हुई पुलिस ने नाकाबंदी करवाई। पुलिस ने अलग-अलग स्थानों से आरोपी दंपती सहित पूरी गैंग के आठ लोगों को पकड़ा है। महामंदिर थानाधिकारी शिवलाल मीणा ने बताया कि पुलिस से सेवानिवृत एएसपी चंदनसिंह महेचा महामंदिर बीजेएस गली नंबर 12 में परिवार सहित रहते है। वे गुरूवार की शाम को पत्नी, पुत्र लोकेंद्र के साथ गांव गए हुए थे। पीछे घर में उनकी पुत्रवधु और दो बच्चें ही थे। घर की एक नेपाली नौकरानी काजल जोकि सर्वेट रूम में दूसरे नेपाली नौकर राज सिंह के साथ थी। आज दिन में साढ़े 12 बजे के आस पास पुत्रवधु ने लोकेंद्र को धीमी आवाज में फोन कर घर में नौकरों द्वारा लूट की बात बताई। मगर आवाज धीमी होने से लोकेंद्र को शक हो गया। इस पर उसके द्वारा तत्काल पड़ौसियों को सूचना दी गई। इधर इसके साथ ही पुलिस को भी सूचना दी गई। पड़ौसियों की मदद से पुत्रवधु को एमजीएच उपचार के लिए भिजवाया गया। थानाधिकारी शिवलाल मीणा ने बताया कि लूट की घटना की सूचना मिलने के साथ पुलिस की टीमों का गठन पुलिस आयुक्त राजेंद्रसिंह के दिशा निर्देश पर गठित कर पुलिस उपायुक्त पूर्व आलोक श्रीवास्तव, एडीसीपी वीरेंद्रसिंह, एसीपी पूर्व हेमंत कलाल के सुपरविजन में टीमों को लगाया गया। थानाधिकारी मीणा ने बताया कि पुलिस की गठित अलग अलग टीमों में वे दो टीम लेकर बिलाड़ा ब्यावर की तरफ गए। बाद में बिलाड़ा और व्यावर जिला पुलिस की मदद से मुख्य आरोपी नेपाली नौकरानी काजल और राजसिंह पुत्र प्रेमसिंह के साथ छह अन्य को भी डिटेन किया गया। अब तक की पूछताछ में पता लगा कि आरोपी काजल ने सुबह ग्रीन टीन बनाई थी और रिटायर्ड एएसपी की पुत्रवधु को पीने का तीन बार दबाब बनाया। तब पुत्रवधु ने ग्रीन टीन पीली। बाद वे अर्द्ध बेहोशी की हालत में आ गई। पुत्रवधु के बेहोशी का फायदा उठाने के साथ आरोपी काजल और राजसिंह ने अलमारी और ड्राअर को खंगालना शुरू कर दिया। जहां ड्राअर से सोने के दो कड़े, एक प्रतापगढ़ का मीनाकारी हार जिसमें मोती ओर सोने की लडियां लगी थी वे लेकर चंपत हो गए। वक्त घटना रिटायर्ड एएसपी चंदनसिंह महेचा के
दोनों पोते स्कूल गए हुए थे, जिससे काजल और राज को लूट का अच्छा मौका हाथ लग गया।

थानाधिकारी शिवलाल ने बताया कि घटना सामने आने के साथ ही हरकत में आई पुलिस ने आस पास के नेपाली नौकरों से पूछताछ के साथ फोटो जुटाई और सोशल मीडिया का सहारा लेकर उनका सुराग ढूंढने के साथ मुख्य आरोपी काजल और राज को डिटेन करने के साथ उनका साथ देने वाले छह और अभियुक्तों को पकड़ लिया।

इन्हें किया गिरफ्तार

1. राज पुत्र प्रेम खडका उम्र 19 साल निवासी खुईलेक जिला माछम नेपाल।,
2. राजकुमार पुत्र ढमोरसिंह बदुईला, उम्र 46 साल निवासी गोदारी, पीएस गोदारी जिला कैलाली नेपाल।,
3. दीपेन्द्र पुत्र टैक बहादुर सोओदा उम्र 36 साल निवासी बरखापुरा बीपी नगर जिला डोटी नेपाल।,
4. सुभाष पुत्र भरत राही उम्र 43 साल निवासी जुगह कोल्टी जिला बाजूरा नेपाल।,
5. राजन पुत्र प्रेम खडकर उम्र 23 साल निवासी खुईलेक जिला आछाम नेपाल,
6. सुरेशसिंह पुत्र बहादुरसिह लोहार उम्र 22 साल निवासी आतरिया जिला कैलाली नेपाल।,
7. इन्द्र उर्फ गणेश पुत्र बाजी उम्र 24 साल निवासी आतरिया जिला कैलाली नेपाल।,
8. काजल उर्फ प्रतिमा पुत्री प्रेम अधिकारी उम्र 25 साल निवासी इस्मा जिला कुलमी नेपाल।

पट्टेशुदा मकानों को भवन निर्माण स्वीकृति होते हुए भी तोड़ने के विरोध में चौथे दिन भी जारी रहा धरना

वकील गोवर्धन सिंह का समर्थन करने जयपुर से सीकर पहुंचे वकील गोवर्धन सिंह

नमस्ते राजस्थान

सीकर. नवलगढ़ पुलिया प्रोजेक्ट को लेकर प्रशासन द्वारा पट्टेशुदा मकानों को तोड़ने के विरोध में मुआवजे की मांग को लेकर न्यायालय के बाहर पिछले चार दिनों से दिए जा रहे धरने में शनिवार को जयपुर हाईकोर्ट में वकालत करने वाले वरिष्ठ वकील गोवर्धन सिंह भी शामिल हुए ओर पट्टेशुदा मकानों को तोड़ने का विरोध किया। गियात रहे कि सीकर निवासी एक वकील गोवर्धन सिंह डांगा का भी पट्टेशुदा मकान बिना विधिक प्रतिक्रिया के तोड़ दिया गया है। ओर भी अन्य लोगों के मकान प्रशासन द्वारा अतिक्रमण बताते हुए तोड़े गए हैं। हाईकोर्ट में वकालत करने वाले वरिष्ठ वकील गोवर्धन सिंह ने कहां कि किसी भी व्यक्ति का पट्टेशुदा मकान भवन निर्माण स्वीकृति होते हुए भी तोड़ना बिल्कुल गलत है, वकील समुदाय को वकील का साथ देना चाहिए ओर सरकार पर दबाव बनाना चाहिए। अन्यथा कानून से विश्वास खत्म होगा। धरने में शामिल लोगों को कहना है कि उनकी मांग मुआवजे की है, लेकिन अधिकारी अनदेखी कर रहे हैं। उनकी मांग नहीं मानने तक धरना जारी रखा जाएगा। धरनार्थियों ने बताया कि उनकी मांग जायज है। उनके पट्टेशुदा मकानों को तोड़ा गया है।दुकानदारों के पास भी दस्तावेज उपलब्ध हैं, जहां निर्माण कार्य को तोड़ा गया, उस जगह पहले पेट्रोल पंप भी संचालित था। इसके बाद भी जिम्मेदारों ने जबरन अतिक्रमी घोषित कर आशियाने उजाड़ दिए। पेट्रोल पंप की जमीन की कोर्ट से डिक्री भी मिली हुई है। इसके बाद भी इमारत तोड़ी गई। धरने पर बैठे लोगों का कहना है कि उनके धरने को विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों ने समर्थन दिया है।

शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने की दिशा में अभियान

अब मंगलवार को चित्तौड़ रोड़ मार्ग को करेंगे अतिक्रमण मुक्त

नमस्ते राजस्थान

भीलवाड़ा, भीलवाड़ा शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने की दिशा में जिला कलक्टर नमित मेहता के निदेर्शानुसार महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। जिला प्रशासन द्वारा शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाए जाने के लिए अभियान का संचालन किया जा रहा है, जिसके तहत प्रारंभ में अजमेर चौराहे से आरजिया चौराहे तक अतिक्रमण के विरुद्ध अभियान चलाकर कार्रवाई की गई है।

अतिक्रमण मुक्त किए गए स्थानों पर की जा रही गहन निगरानी

नगर निगम आयुक्त हेमाराम चौधरी ने बताया कि जिला कलक्टर के निदेर्शानुसार स्थाई तथा अस्थाई अतिक्रमण की रोकथाम के लिए लगातार कारवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि अतिक्रमण मुक्त किए गए स्थान पर गहन निगरानी भी रखी जा रही है ताकि पुनः अतिक्रमण की स्थिति ना हो। उन्होंने बताया कि इसके उपरांत अब मंगलवार 26 नवंबर से चित्तौड़ रोड मार्ग पर से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाएगी। सोमवार को अतिक्रमण पर मार्किंग की जाएगी। साथ ही अनाउंसमेंट के माध्यम से आमजन को की जाने वाली कार्रवाई के बारे में पूर्व में ही सूचित किया गया है व सभी से अतिक्रमण के विरुद्ध चलाएं जा रहे अभियान में सहयोग की अपील की है। नगर निगम कमिश्नर हेमाराम चौधरी ने बताया कि नगर निगम, यूआईटी, प्रशासन, पुलिस की संयुक्त टीमें मंगलवार को सुबह 11 बजे पुलिस जाब्ते के साथ पहुंचेगी। पहले से मार्किंग किए अतिक्रमण को सबसे पहले हटाया जाएगा। दुकानों के मूल आकार से ज्यादा अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि जिला कलेक्टर नमित मेहता ने बैठक लेकर ट्रैफिक समस्या को देखते हुए भीलवाड़ा की प्रमुख सड़कों को क्लियर करने के उद्देश्य से रोडमैप बनाया था। इसी को लेकर नगर निगम, यूआईटी, प्रशासन, पुलिस की टीम ने संयुक्त निरीक्षण कर व्यापारियों को समझाया और अतिक्रमण हटाने की अपील की। ऐसे में मंगलवार को चित्तौड़ रोड़ मार्ग से कार्रवाई शुरू की जाएगी।

अब तक कुल 58 प्रकरण दर्ज किये गये तथा 15 प्रकरणों में एफआईआर दर्ज

भीलवाड़ा में खनिज संपदा की सुरक्षाः अवैध खनन पर पुलिस और प्रशासन का संयुक्त अभियान

मांडलगढ़ में 400 टन बजरी जब्त,नदी में खुर्द-बुर्द की गई

नमस्ते राजस्थान

भीलवाड़ा, जिला कलक्टर नमित मेहता और पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह के नेतृत्व में भीलवाड़ा जिले में खनिजों के अवैध खनन, निर्गमन और भंडारण के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के चौथे दिन बड़ी कार्रवाई की गई है। अभियान के दौरान एक डंपर मय गिट्टी और 2 टेक्टर ट्रोली मय बजरी जब्त की गई हैं। इसके अलावा, मंगरोप क्षेत्र में खनिज बजरी का अवैध परिवहन करते पाये जाने पर दो टैक्टर ट्रोलियों को जब्त कर मंगरोप थाने में खड़े कराये गये हैं। परिवहन विभाग द्वारा एक डंपर को गिट्टी को अवैध परिवहन करने पर डिटेन किया गया जिसे खान विभाग द्वारा जब्त सरकार कर 1.07 लाख की पेनाल्टी लगाई गई है। ग्राम माली खेड़ा तहसील मांडलगढ़ में नदी पेटे में अलग-अलग ढेरियों में पाये गये लगभग 400 टन खनिज बजरी को नदी में खुर्द-बुर्द किया गया है। अभियान में अब तक परिवहन विभाग सहित कुल 58 प्रकरण दर्ज किये गये हैं तथा 15 प्रकरणों में एफआईआर दर्ज करवाई गई हैं तथा 5 बड़ी मशीनें, चार डंपर एवं 27 टैक्टर ट्रोलियां जब्त की गई हैं। खान विभाग की ओर से ओपी काबरा, एस.एम.ई भीलवाड़ा एवं अविनाश कुलदीप, एस.एम.ई सतर्कता भीलवाड़ा के द्वारा नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है। खनि अभियन्ता भीलवाड़ा ने बताया कि विभाग की ओर से नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है और अवैध खनन के मामलों में सख्त कार्रवाई की जा रही है। जिला कलक्टर नमित मेहता ने कहा कि अवैध खनन और परिवहन के खिलाफ यह अभियान जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि जिले में खनिज संसाधनों का दुरुपयोग नहीं होने दिया जाएगा और अवैध खनन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जिला कारागृह की सघन तलाशी

भीलवाड़ा, स्थानीय पुलिस प्रशासन द्वारा शनिवार को जिला कारागृह की सघन तलाशी ली गई। जिला कारागृह अधीक्षक ने बताया कि इस दौरान अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट श्रीमती प्रतिभा देवठिया के नेतृत्व में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पारस जैन, मनीष आई०पी०एस० सीओ सिटी, प्रशिक्षु आई.पी.एस. शिवा शर्मा, पुलिस थाना भीमगंज से सुरजीत, पुलिस थाना कोतवाली से भंवरलाल, सीओ सदर भीलवाड़ा श्यामसुन्दर, पुलिस थाना प्रतापनगर से गजेन्द्र सिंह, पुलिस थाना सुभाषनगर से शिवराज एवं श्रीमती स्वीटी स्टेला व उप कारापाल हीरालाल, की मौजूदगी व निर्देशन में पुलिस जाब्ता द्वारा कारागृह की सघन तलाशी ली गई। तलाशी में किसी भी प्रकार की निषिद्ध सामग्री या वस्तु बरामद नहीं हुई।

होटल बरवाड़ा फोर्ट सिक्स सेंसेज को मिली धमकी:

बम से उड़ानें की धमकी के बाद होटल पहुंची पुलिस, सर्च अभियान चलाया

सवाई माधोपुर चौथ का बरवाड़ा स्थित पांच सितारा होटल सिक्स सेंसेज फोर्ट को होटल की मेल आईडी पर बम से उड़ने की धमकी के बाद हड़कंप पर मच गया है। स्थिति को देखते हुए मौके पर सबसे पहले चौथ का बड़ौदा पुलिस पहुंची। जिसके बाद सवाई माधोपुर से स्पेशल टीम को बुलाया गया और होटल के अंदर तलाशी ली गई। इससे? पहले कुछ दिन पहले होटल शेर बाघ को भी इसी तरह की धमकी मिली थी। चौथ का बरवाड़ा पुलिस ने बताया कि शनिवार दोपहर होटल के अधिकृत मेल आईडी पर होटल को बम से उड़ाए जाने की धमकी भरा मैसेज मिला था। जिसके बाद पूरा प्रशासन अलर्ट हो गया।

जिला स्तरीय इन्वेस्टर मीट में किए एमओयू की समीक्षा बैठक,

जिला कलेक्टर नमित मेहता ने एमओयू के क्रियान्वयन में तेजी लाने के निर्देश दिए

नमस्ते राजस्थान

भीलवाड़ा, जिला कलक्टर नमित मेहता की अध्यक्षता में शुक्रवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में राइजिंग राजस्थान के जिला स्तरीय इन्वेस्टर मीट में किए गए एमओयू की समीक्षा की गई। बैठक में सभी एमओयू धारकों की उद्योग स्थापित करने में आने वाली समस्याओं के बारे में विस्तार से चर्चा की गई। इन समस्याओं में भूमि कन्वर्जन, महंगी बिजली दरें, भूमि की आवश्यकता आदि प्रमुख थीं। जिला कलक्टर ने इन समस्याओं का समाधान करने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रशासन) ओमप्रकाश मेहरा, ओएसडी नगर विकास न्यास सीएल मीणा को भूमि संबंधित समस्याओं का निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला उद्योग एवं वाणिज्य केंद्र महाप्रबंधक केके मीना को राज्य सरकार द्वारा उद्योगों को रीप्स योजना के तहत छूट के संबंध में जानकारी देने और रीको लि के अतिरिक्त महाप्रबंधक को नए औद्योगिक क्षेत्रों के बारे में जानकारी देने हेतु निर्देशित किया गया। जिला कलक्टर ने जिला प्रशासन द्वारा सभी एमओयू धारकों को हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। बैठक में अधीक्षण अभियंता एवीवीएनएल वी. के. संचेती, रीको अतिरिक्त महाप्रबंधक पी.आर. मीना आदि उपस्थित थे।

महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनाव के परिणाम आ गए हैं। साथ ही, उत्तर प्रदेश में नौ विधानसभाओं तथा मध्यप्रदेश की दो सीटों पर हुए उपचुनाव के परिणाम भी घोषित हुए हैं। महाराष्ट्र और झारखंड में जहां सत्ताएं बरकरार रहीं, वहीं उप्र में सात सीटों पर भाजपा और दो पर सपा जीती है। इसके विपरीत, मप्र की विधानसभा सीट विजयपुर के उपचुनाव में मतदाताओं ने सत्तासीन भाजपा को नकार दिया, जबकि बुधनी सीट पर विजय दिलाई है। बीजेपी का जादू झारखंड में नहीं चल पाया। धुसपैठ और ईसाईकरण के मुद्दे भी वहां काम नहीं आए। भ्रष्टाचार के आरोप में घिरे हेमंत सोरेन ने वहां बड़ी जीत हासिल की है। महाराष्ट्र, भारत का छठा ऐसा राज्य बन गया है, जहां बीजेपी ने लगातार तीसरी बार जीत हासिल की है। महाराष्ट्र के जनादेश ने महायुति गठबंधन के भीतर भाजपा को मजबूती दी है और ये जनादेश देवेंद्र फडणवीस के पुनः मुख्यमंत्री बनने की संभावना जता रहा है। वहीं, कांग्रेस, शिवसेना (उद्धव ठाकरे) तथा राकांपा (शरद पवार) के लिए चुनाव परिणाम आत्मचिंतन का विषय बन गया है। कुल मिलाकर नतीजों ने दिखा दिया है कि विधानसभा के चुनाव जीतने के लिए केंद्रीय नेतृत्व ही काफी नहीं है बल्कि स्थानीय लीडरशिप भी अहम है। इन तमाम पहलुओं पर रोशनी डालता आजकल का यह अंक...

विचारों की लड़ाई में विजय का जनादेश

विश्लेषण

अवधेश कुमार

वरिष्ठ स्तंभकार

> **महाराष्ट्र परिणाम बताते हैं कि भाजपा गठबंधन ने लोकसभा चुनाव परिणामों को पीछे छोड़कर अपने मुद्दों के आधार पर जबरदस्त बढ़त बनाई है। महाविकास अघाड़ी ने भी इसे विचारधारा की लड़ाई घोषित किया था। वह लोकसभा चुनाव का परिणाम का विश्लेषण करने में चूकी और मान लिया कि यह भाजपा और संघ की विचारधारा तथा प्रदेश सरकार और केंद्र में नरेंद्र मोदी सरकार के विरुद्ध जनादेश है जो जारी रहेगा। विधानसभा चुनाव परिणामों ने इस मान्यता को ध्वस्त किया है। महाराष्ट्र के मतदाताओं ने जब 1995 के बाद रिकॉर्ड संख्या में पिछले चुनाव से 4 प्रतिशत से ज्यादा मतदान किया तभी लग गया था कि यह लोकसभा चुनाव की पुनरावृत्ति के लिए नहीं है।**

महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव परिणामों को एक साथ मिलाकर लोकसभा चुनाव परिणामों से तुलना कर सकते हैं और अलग-अलग विश्लेषण भी। महाराष्ट्र परिणाम बताते हैं कि भाजपा गठबंधन ने लोकसभा चुनाव परिणामों को पीछे छोड़कर अपने मुद्दों के आधार पर जबरदस्त बढ़त बनाई है। महाविकास अघाड़ी ने भी इसे विचारधारा की लड़ाई घोषित किया था। वह लोकसभा चुनाव का परिणाम का विश्लेषण करने में चूकी और मान लिया कि यह भाजपा और संघ की विचारधारा तथा प्रदेश सरकार और केंद्र में नरेंद्र मोदी सरकार के विरुद्ध जनादेश है जो जारी रहेगा। विधानसभा चुनाव परिणामों ने इस मान्यता को ध्वस्त किया है। महाराष्ट्र का परिणाम असाधारण है। भाजपा के नेतृत्व में महायुती की एकपक्षीय विजय है और भाजपा ने अपने इतिहास में सबसे ज्यादा सीटें पाईं। तो ऐसा परिणाम क्यों आया तथा झारखंड एवं महाराष्ट्र में अंतर क्यों है? महाराष्ट्र के मतदाताओं ने जब 1995 के बाद रिकॉर्ड संख्या में पिछले चुनाव से 4 प्रतिशत से ज्यादा मतदान किया तभी लग गया था कि यह लोकसभा चुनाव की पुनरावृत्ति के लिए नहीं है। मुंबई सिटी की 10 सीटों पर 52.65 प्रतिशत और उपनगर की 26 पर 56.39 प्रतिशत मतदान हुआ। महिलाओं के मतदान का आंकड़ा भी महत्वपूर्ण रहा। कुल 9.7 करोड़ मतदाताओं में 5.22 करोड़ पुरुष और 4.69 करोड़ महिलायें थीं। इनमें 3 करोड़ 34 लाख 37 हजार 57 पुरुष तथा 3 करोड़ 6 लाख 49 हजार 318 महिला और 1 हजार 820 ने मतदान किया। पुरुषों की तुलना में केवल 28 लाख कम महिला मतदाताओं ने मतदान किया जबकि दोनों के बीच अंतर करीब 53 लाख था।

धन स्थानांतरित करना बड़ा कारण

कह सकते हैं कि महाराष्ट्र में महिलाओं के खाते में एकनाथ शिंदे सरकार द्वारा धन स्थानांतरित करना बड़ा कारण था। इससे हम इनकार नहीं कर सकते क्योंकि झारखंड में भी मैया सम्मान योजना ने भूमिका निभाई। लेकिन महाराष्ट्र में दोनों पक्षों के बीच लगभग 16% मतों का अंतर केवल महिला मतदाताओं के कारण नहीं आ सकता। लोकसभा चुनाव से तुलना करें तो साफ है कि दोनों पक्षों के बीच का वातावरण आमूल रूप से बदल चुका है। भाजपा ने लोकसभा चुनाव में बहुमत से वंचित रहने के बाद तुरंत अपना पुराना तेवर हासिल करने की दिशा में तत्परता दिखाई। संघ नेतृत्व ने अपनी बातें उन तक पहुंचाई तथा लोकसभा चुनाव में अध्यक्ष जेपी नड्डा के भाजपा को संघ की पहले की तरह आवश्यकता नहीं जैसे बयानों से पैदा हुआ असमंजस समाप्त हुआ। लोकसभा में वक्फ कानून संशोधन विधेयक लाया और पूरे देश के साथ महाराष्ट्र में भी विचारधारा के आधार पर स्पष्ट विभाजन पैदा हुआ। महत्वपूर्ण मुद्दे हिंदुत्व, हिंदुत्व अभिप्रेरित राष्ट्रीयता तथा

इस्लामिक कट्टरवाद- इन पर सभी भाजपा शिवसेना नेता बेहिचक प्रखर और आक्रामक होकर बोलते रहे। इनसे जुड़े मुद्दे उठाते रहे, विपक्ष को हिंदुत्व विरोधी, देश के हित के विरोध में काम करने वाला घोषित किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, देवेंद्र फडणवीस आदि सभी प्रमुख नेताओं ने मजहबी कट्टरता, हिंदुत्व तथा विपक्ष के कट्टर मजहबवाद को प्रोत्साहित करने की नीति को मुख्य मुद्दा बनाया और पूरा वातावरण ऐसा था जिसमें मतदाताओं ने स्वीकार किया। टीवी चैनल पर ऐसे मतदाता सामने आए जो बोल रहे थे कि जिस तरह एक समुदाय किसी पार्टी को हराने के लिए काम कर रहा है उसे देखकर हम मतदान करने बाहर निकले।

वक्फ कानून संशोधन विधेयक बड़ा मुद्दा

महाराष्ट्र में मुस्लिम संगठनों और नेताओं के बीच महाविकास अघाड़ी को समर्थन देने की होड़ लगी हुई थी। ऐसी बैठकों के वीडियो सामने आए जिनमें मजहबी नेता, इमाम, मौलवी कह रहे हैं कि हमने लोकसभा चुनाव में महाविकास अघाड़ी के पक्ष में फतवा जारी किया और विजय मिली, हम इस बार भी जारी कर रहे हैं। मुस्लिम नेता भाजपा, शिवसेना या महायुती को वोट देने वालों का हुक्का पानी बंद करने की सरेआम बात कर रहे थे। वक्फ कानून संशोधन विधेयक भी महाराष्ट्र में मुस्लिम संगठनों के अतिवादी विरोध के कारण बहुत बड़ा मुद्दा बन गया था। कांग्रेस, शिवसेना उद्धव ठाकरे तथा राकांपा - शरद पवार तीनों ने मुस्लिम वोट पाने के लिए इनको रोकने की जगह प्रोत्साहित किया। भाजपा शिवसेना समर्थकों में से जिनमें कई कारणों से लोकसभा चुनाव में मतदान नहीं किया या विरोध में चले गए या महा विकास अघाड़ी के पक्ष में मतदान करने वाले गैर प्रतिबद्ध मतदाताओं को भी लगा कि हिंदू, बौद्ध, सिख और जैन के लिए भाजपा और शिवसेना ही है। हरियाणा से यह प्रवृत्ति हमने देखी।

भाजपा नेताओं के नारों का असर

योगी आदित्यनाथ का बटेंगे तो कटेंगे, प्रधानमंत्री का बटेंगे तो विरोधी महफिल सजाएंगे और एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे नारे स्वाभाविक में लोगों के दिलों तक पहुंचे। जब देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि हमारे विरुद्ध वोट जिहाद है और इसे वोट के धर्मयुद्ध से हरायेंगे तो भले इसकी आलोचना हुई लेकिन लोगों के अंतरतम में यह भाव था। लोकसभा चुनाव में भाजपा, शिवसेना और राकांपा -अजीत पवार से असंतुष्ट लोगों की महाविकास अघाड़ी को 31 सीटों तक पहुंचाने में बड़ी भूमिका थी। बाबासाहेब आंबेडकर का संविधान खत्म हो जाएगा, आरक्षण खत्म हो जाएगा, यह झूठा नैरेटिव दलितों, आदिवासियों और पिछड़ी जातियों के एक समूह तक पहुंचा था। हरियाणा में देखा गया कि दलित और पिछड़े पहले की तरह इस नैरेटिव को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं थे। इस स्पष्ट दिखती प्रवृत्ति के बावजूद कांग्रेस और शिवसेना-उद्धव सबसे ज्यादा जोर इसी मुद्दे पर देती रही, कांग्रेस संविधान सम्मान सम्मेलन आयोजित करती रही और राहुल गांधी ने जातीय जनगणना की भी बात दुहराई। भाजपा और शिवसेना ने इसे हिंदुओं को जाति में विभाजित कर समाज -देश तोड़ने का षड्यंत्र बताते हुए हमला किया और आम कार्यकर्ता बटेंगे तो काटेंगे तथा एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे नारे को नीचे तक पहुंचाते रहे। इस बीच लेबनान में हिजबुल्लाह के तत्कालीन प्रमुख नजीबुउल्लाह की मृत्यु पर पूरे देश में भारी संख्या में मुस्लिम समुदाय ने एक नजीबुल्लाह मारोगे हर घर से नजीबुल्लाह निकलेगा, हम सब हिजबुल्लाह के नारे लगाए तथा उत्तर प्रदेश के एक मंदिर के प्रमुख के एक बयान के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज होने के बावजूद गुस्ताख ए नबी की एक ही सजा, सिर तन से जुदा सिर तन से जुदा नारे लगाते हुए मरने-मारने के रूप में दिखे।

भाजपा की झारखंड के अनुकूल रणनीति नहीं रही

इन सबके विरुद्ध लोगों के अंदर प्रतिक्रियायें थीं। महाराष्ट्र के लगभग सभी क्षेत्रों में महायुती ने यूं ही अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है। भाजपा के उम्मीदवारों की जीत लगभग 83 प्रतिशत है। महायुति सरकार के विरुद्ध यानी मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, अजीत पवार के विरुद्ध सरकार को लेकर जनता में ऐसा संतोष नहीं था जिसे उभारा जा सके। झारखंड में भाजपा की घुसपैठ, लव जिहाद और जनांकिकी बदलने का मुद्दा इसलिए सफल नहीं हुआ क्योंकि उसने प्रदेश के अनुकूल रणनीति नहीं बनाई। हिमंतो विश्वासरमा सह प्रभारी होते हुए भी मुख्य रणनीतिकार एवं पार्टी के सर्व प्रमुख चेहरा बने हुए थे। झारखंड की लड़ाई सतह पर हिमंतो बनाम हेमंत सोरेन हो गया जो प्रदेश के मतदाताओं के अनुकूल नहीं था।

भाजपा की विचारधारा और उनसे जुड़े मुद्दों के अनुरूप उम्मीदवार भी चाहिए था। 25 विधायकों में से तीन का टिकट कटा। चम्पाई सोरेन को पार्टी में लाकर पूरे आदिवासी क्षेत्रों में दौरा कराया गया, अपने आदिवासी नेताओं का उपयोग नहीं किया। चंपाई सोरेन भाजपा के मुद्दों के प्रवक्ता नहीं हो सकते थे। लोगों के अंदर घुसपैठ, लव जिहाद मुस्लिम कट्टरवाद के विरुद्ध भाव था लेकिन हेमंत सोरेन के सामने ऐसा कोई चेहरा नहीं था जिसे देखकर आदिवासी मतदाता भाजपा की ओर आते। भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तारी को हेमंत ने आदिवासी सम्मान से जोड़ा और उसका भी प्रभाव हुआ। चंपाई सोरेन उनका सामना नहीं कर सकते थे। वे पिछली बार भी बहुत कम अंतर से जीते थे। उनके साथ झामुमो के ज्यादा विधायक या नेता भी भाजपा में नहीं आए थे। भाजपा में उम्मीदवारों के चयन को लेकर व्यापक असंतोष और विद्रोह था जिनसे ठीक प्रकार से निपटा नहीं जा सका।

भाजपा उम्मीदवारों के चयन को लेकर असंतोष

कई सीटों पर भाजपा नेताओं ने निर्दलीय या विरोधी खेमे का उम्मीदवार बनकर हराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शिवराज सिंह चौहान ने कोशिश की लेकिन काफी देर हो चुकी थी। कुल मिलाकर मतदाताओं ने जनादेश से बता दिया है कि आईएनडीआईए और उनके घटकों की लोकसभा चुनाव में बढ़त अस्थाई थी जो समाप्त हो चुकी है। यह विचारधाराओं की लड़ाई में भाजपा शिवसेना की विजय का जनादेश है। भाजपा को लेकर उनके समर्थकों या मतदाताओं में स्थानीय स्तरों पर कुछ असंतोष या नाराजगी होते हुए भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उनकी सरकार तथा मुद्दों के प्रति व्यापक समूह का आकर्षण है। 2014 में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने मुख्यतः हिंदुत्व, हिंदुत्व प्रेरित राष्ट्रवाद तथा आर्थिक विकास की संभावनाओं को देखते हुए कांग्रेस, यूपीए व विरोधी दलों को नकारा था वह वैचारिक स्तथ पर स्थायित्व ग्रहण कर चुका है। अगर वह उम्मीदवारों के चयन में विचारधारा को प्राथमिकता दे, अपने प्रतिबद्ध लोगों का भी जमीनी स्तर पर ध्यान रखे और गलत लोगों को किसी स्तर पर महत्व नहीं दे तो लंबे समय तक अपनी नीतियों के अनुरूप शासन कर बदलाव में ऐतिहासिक भूमिका निभाती रहेगी।

* * *

मुफ्त की रेवड़ियों से सरकारों की हुई वापसी

दो टूक

प्रमोद भार्गव

वरिष्ठ स्तंभकार और पत्रकार

देश के मतदाता लगता है, मुफ्त की रेवड़ियों के लालच में मतदान करने लगे हैं। इसी का परिणाम है कि महाराष्ट्र और झारखंड में सत्ताएं बरकरार रही हैं। 288 विधानसभा सीटों वाले राज्य महाराष्ट्र में भाजपा गठबंधन वाले महायुति ने विधानसभा में स्पष्ट बहुमत हासिल कर लिया है। वहीं, झारखंड में इंडिया गठबंधन ने 55 सीटें जीतकर भाजपा को बहुत पीछे धकेल दिया है। उत्तर प्रदेश में हुए 9 सीटों पर उपचुनाव में भाजपा ने 7 सीटों पर जीत हासिल करके जता दिया है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व को जनता सम्मान के साथ स्वीकार रही है। लेकिन भाजपा को मध्यप्रदेश में बड़ा झटका लगा है। विधानसभा विजयपुर में दल-बदलकर आए भाजपा प्रत्याशी और राज्य सरकार में वन मंत्री रामनिवास रावत को मतदाताओं ने नकार दिया है। अन्य राज्यों में हुए उपचुनावों में भी भाजपा का अच्छा प्रदर्शन देखने में आया है। उप्र के बाद महाराष्ट्र विधानसभा सीटों के लिहाज से सबसे बड़ा राज्य है।

महाराष्ट्र में कौन बनेगा मुख्यमंत्री

पिछले तीन दशक में यहां किसी भी एक दल को स्पष्ट बहुमत की सरकार बनाने का मौका नहीं मिला है। अतएव गठबंधन सरकारें ही सरकार चलाती रही हैं। इसी कारण यहां सरकारें गिराने के लिए विधायकों की तोड़-फोड़ भी देखने में आती रही हैं। शिवसेना से टूटकर भाजपा में शामिल हुए एकनाथ शिंदे भाजपा के दम पर मुख्यमंत्री बन गए थे। उन्हीं के मुख्यमंत्री रहते हुए अपने चाचा शरद पवार को झटका देकर अजीत पवार ने एनसीपी (अजीत पवार) बनाई और वे महायुति का हिस्सा बन भाजपा और एकनाथ शिंदे की शिवसेना का हिस्सा बन गए। अब यही महायुति नई सरकार बनाएगी। मुख्यमंत्री कौन होगा, यह देखने वाली बात होगी। दूसरी तरफ शरद पवार के नेतृत्व वाली महाविकास अघाड़ी पार्टी थी, जो कांग्रेस और उद्धव ठाकरे की शिवसेना के साथ चुनाव लड़ी। लेकिन महायुति से करारी हार का सामना करना पड़ा। यहां चुनाव इन्हीं दोनों गठबंधनों के बीच था। हालांकि भाजपा 125 से ऊपर सीटें जीतकर विधानसभा में सबसे बड़ी पार्टी होगी। चूंकि सबसे ज्यादा सीटें भाजपा की हैं, इसलिए एकनाथ शिंदे और अजीत पवार में से कोई मोलभाव करके मुख्यमंत्री बन जाए, ऐसा लगता नहीं है। अतएव लगता है एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री का पद देवेंद्र फडणवीस के लिए छोड़ना होगा। इधर बड़ा झटका उद्धव ठाकरे को लगा है। वे अपने पिता बाल ठाकरे की विरासत को बचाने में असफल रहे। महाविकास अघाड़ी को जीत की इसलिए उम्मीद थी कि क्योंकि इस गठबंधन ने लोकसभा चुनाव में अच्छा प्रदर्शन करते हुए 48 में से 30 सीटें जीत ली थीं। परिणाम से यह तय हो ही गया है कि महाविकास अघाड़ी की आशाओं पर पानी फिर गया है। इससे पहले एग्जिट पोल ने भी जता दिया था कि उसका जीतना मुश्किल है। शरद पवार अब महाराष्ट्र के ताकतवर मराठा नहीं रह गए हैं। अपने रिश्तेदारों और भरोसेमंदों का धोखा खाने के बाद 26 साल पहले उनके द्वारा स्थापित राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी अब हाशिए पर है। मूलतः कांग्रेसी और पसंद से वंशवादी पवार इस उम्मीद में प्रभावी

उत्तराधिकारी तैयार नहीं कर पाए कि कहीं उनकी बेटी सुप्रिया सुले पिछड़ न जाए ? उद्धव ठाकरे को बड़ा झटका इसलिए लगा है, क्योंकि वे अपने पिता बाल ठाकरे की तरह प्रखर हिंदुत्व की छवि को बरकरार रखने में असफल रहे। वे और उनके पुत्र आदित्य ठाकरे उन फतवों को भी नहीं नकार पाए, जिनमें कहा गया था कि भाजपा को वोट देने वालों का हुक्का-पानी बंद कर देंगे। एक मौलवी ने तो यहां तक कह दिया कि उद्धव ठाकरे की शिवसेना अब बाल ठाकरे की शिवसेना नहीं रही है। मतलब उसमें इतने बदलाव हो गए हैं कि वह मुल्ले-मौलवियों की पार्टी बन गई है।

भाजपा के पास नहीं था बड़ा चेहरा

उधर, योगी आदित्यनाथ के नारे 'बटेंगे तो कटेंगे' ने मौलवियों को उत्तर देकर मतदाताओं का मत हासिल कर लिया। उद्धव अपनी हिंदुत्व की छवि को भविष्य में बहाल कर पाएंगे ऐसा अब लगता नहीं है। झारखंड में हेमंत सोरेन का जेल जाना भाजपा को महंगा पड़ा है। यहां घुसपैठ और ईसाईकरण के मुद्दे भी काम नहीं आए। दरअसल भाजपा के पास कोई ऐसा बड़ा चेहरा नहीं था, जो वहां के आदिवासियों को लुभा सके? भाजपा गठबंधन को उम्मीद थी कि राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू का आदिवासी होना, भाजपा के लिए वोट बटोर लेगा, किंतु धरातल पर ऐसा दिखाई नहीं दिया। सत्ताधारी दल की जनगणना पत्रक में अलग से धर्म का कॉलम बनाने की मांग ने हिंदुत्व के मुद्दे को फीका करने का काम किया है।

फीका पड़ा घुसपैठ का मुद्दा

शिवराज सिंह चौहान को झारखंड का चुनाव प्रभारी बनाया गया। वे जितना कर सकते थे, उतना किया भी। लेकिन परिणाम शून्य रहा। दरअसल भाजपा ने यहां बांग्लादेशी मुस्लिमों की घुसपैठ के चलते सीमावर्ती जिलों में सांख्यिकीय घनत्व बिगड़ने की बात उठाई, परंतु यह मुद्दा समूचे झारखंड का मुद्दा नहीं बन पाया। दरअसल संथाल और उसके निकट के जिलों में घुसपैठ का प्रभाव है। परंतु उसका असर पूरे झारखंड में दिखाई नहीं देता। इसलिए भाजपा की हिंदुत्व और घुसपैठ के मुद्दे मतदाता में गहरी पैठ नहीं बना पाए। सोनिया गांधी पुत्रमोह के चलते पुत्री प्रियंका वाड्रा को उम्मीदवार बनाने से बचती रही हैं। लेकिन अब 52 वर्ष की प्रियंका को वायनाड के उपचुनाव में उतारा गया। यह सीट राहुल गांधी ने जीती थी, जो उन्हें खाली करनी पड़ी। क्योंकि वे रायबरेली से भी चुनाव लड़े और जीते थे। अतएव उन्हें एक सीट से इस्तीफा देना पड़ा। प्रियंका ने यह पहला चुनाव 4 लाख से भी ज्यादा मतों से जीत लिया। अब एक ही परिवार के 3 सदस्य संसद में होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वंशवादी राजनीति के मुखर विरोधी रहे हैं। लेकिन प्रियंका ने जीत हासिल करके परिवारवादी राजनीति को कांग्रेस में मजबूत कर दिया है। मध्यप्रदेश में रामनिवास रावत लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस विधायक रहते हुए भाजपा में शामिल हुए थे। उन्हें विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर रावत के विधायक रहते हुए भाजपा में इसलिए लाए थे, जिससे मुरैना लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार शिवमंगल सिंह तोमर चुनाव जीत जाएं। तोमर तो चुनाव जीत गए थे, लेकिन स्वयं के लाभ के लिए दल-बदल करने वाले नेता को मतदाताओं ने चारों खाने चित्त कर दिया। मुख्यमंत्री मोहन यादव को भी रावत की हार बड़ा झटका है। उनके कार्यकाल में यह पहला उपचुनाव था, जिसमें शासन-प्रशासन की पूरी ताकत लगाने के बाद भी हार का मुंह देखना पड़ा। बुधनी सीट भी भाजपा इसलिए जीत पाई, क्योंकि वहां गृहनगर होने के कारण पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की साख का सवाल था। मतदाता ने उनकी लाज रखी और बाहरी प्रत्याशी होने के बावजूद रमाशंकर भार्गव को चुनाव जिता दिया। बहरहाल भाजपा ने एक बार फिर जता दिया है कि मतदाता में उसकी पैठ बनी रहेगी।

महाराष्ट्र में जीत के बड़े मायने

कूटनीति

रवि शंकर

वरिष्ठ स्तंभकार

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने जीत की हैट्रिक लगाई है। महायुति ने महाराष्ट्र की सत्ता में बैठने के लिए बहुमत के आंकड़े को पार कर लिया है। वहीं, महा विकास अघाड़ी यानी एमवीए को इस चुनाव में बहुत बड़ा झटका लगा है। इस चुनाव में शिवसेना (शिंदे) और एनसीपी (अजित पवार) ने भी शानदार प्रदर्शन किया है। वहीं महाविकास अघाड़ी में शरद पवार गुट सबसे कमजोर साबित हुआ है। चुनाव नतीजे बता रहे हैं कि एकनाथ शिंदे असली शिवसेना साबित हुए हैं और शरद पवार की विरासत अब अजित पवार आगे ले जाएंगे। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में विपक्षी पार्टियां या विरोधी दलों के नैरेटिव को बीजेपी ने धराशायी कर दिया है, जो लगातार ये दावे कर रहे थे कि 2024 के चुनाव के बाद मोदी मैजिक कमजोर पड़ गया है। इन अटकलों पर अब विराम लगेगा। दरअसल, महाराष्ट्र और झारखंड चुनाव में बीजेपी को अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद थी।

बीजेपी का बेहतर प्रदर्शन

भले ही झारखंड में बीजेपी का जादू नहीं चल पाया। लेकिन महाराष्ट्र में बीजेपी ने उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया। वहीं महाविकास अघाड़ी को शायद ही ऐसे परिणाम की उम्मीद होगी। महाराष्ट्र के चुनावी नतीजे को देखें तो महाविकास अघाड़ी पूरी तरह से धूल फांकती दिखाई दी। विधानसभा चुनाव के दौरान राहुल गांधी के बयान अलग विवाद पैदा करते रहे।

उन्होंने पूंजीपतियों, उद्योगपतियों के खिलाफ बयान दिए, आबादी की तुलना में हिस्सेदारी की बात कही। दूसरी तरफ उनके ऐसे बयानों का सहारा लेकर बीजेपी कांग्रेस को हिंदू विरोधी पार्टी साबित करती रही। आरक्षण बढ़ाने, जातियों की गणना करने जैसी बातें कहकर राहुल गांधी कांग्रेस को नुकसान पहुंचा दिया।

गलती पर तेजी से डैमेज कंट्रोल

दूसरी तरफ पीएम मोदी जाति जनगणना से अनुसूचित जातियों, जनजातियों और पिछड़े वर्ग को आरक्षण में होने वाला नुकसान के बारे में समझाने में सफल हुए। वास्तव में बीजेपी हर पल पर बारीकी से नजर रखती है और हर पल अपनी रणनीति को अपडेट करती रही और वे विपक्ष को पूरे चुनाव के दौरान कोई भी मौका नहीं दिया। साथ ही, अपने हर गलत कदम पर तेजी से डैमेज कंट्रोल करती रही और विपक्ष की छोटी से छोटी गलती को जोर शोर से प्रचारित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। महाराष्ट्र और झारखंड के नतीजों ने फिर दिखाया है कि विधानसभा के चुनाव जीतने के लिए केंद्रीय नेतृत्व ही काफी नहीं है बल्कि लोकल लीडरशिप भी अहम है। बीजेपी ने महाराष्ट्र में प्रचार के दौरान पीएम मोदी के बजाय पार्टी के स्थानीय चेहरों को आगे रखकर चुनावी मैदान में बढ़ी।

स्थानीय नेताओं को महत्व

पीएम मोदी ने सभाएं जरूर की लेकिन लोकसभा चुनाव की तरह उन्होंने सघन प्रचार सभाएं नहीं कीं। शायद ऐसा इसलिए किया गया ताकि पार्टी

के स्थानीय नेताओं को पर्याप्त महत्व मिल सके और आमजन में उनके प्रति विश्वास भी बढ़ सके। इतना ही नहीं, एनडीए के प्रचार में आरएसएस ने भी अहम भूमिका निभाई। संघ ने जमीन जिहाद, लव जिहाद, धर्मांतरण, पत्थरबाजी, दंगे-फसाद जैसे मुद्दों को लेकर खास तौर पर महाराष्ट्र में बीजेपी को बड़ा सहयोग दिया।

खास नारों से मतदाता पर असर

आरएसएस ने बहुत ही अनुशासित तरीके से संदेशों का प्रसार किया। वहीं बीजेपी ने महाराष्ट्र हो या झारखंड या फिर उत्तर प्रदेश का विधानसभा उपचुनाव, तीनों जगह अपने खास नारों से मतदाता पर असर डाला। बीजेपी ने नारे दिए 'बंटोगे तो कटोगे और 'एक हैं तो सेफ हैं'.. यह वे नारे हैं जो वोटों के ध्रुवीकरण में कारगर रहे। इसके अलावा महायुति सरकार ने चुनाव के दौरान कई बड़े ऐलान किए। चाहे वो लड़की बहिन योजना हो या युवाओं को भत्ता देने की योजना। इसका भी लाभ उनको इस चुनाव में मिला है। साथ ही मुख्यमंत्री के तौर पर एकनाथ शिंदे के कार्यकाल पर लोगों ने भरोसा जताया। महाराष्ट्र के लोगों ने इस चुनावी संदेश से जता दिया कि असली शिवसेना के हकदार वही हैं। दूसरा, एक मजबूत मराठा क्षत्रप के रूप में लोगों ने उन पर मुहर लगाई है। वहीं विपक्ष के पास ऐसा कोई नारा नहीं था जो आम लोगों पर गहरे तक असर जमा सके। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महायुति ने जीत के साथ ही एक बड़ा रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया है।

लगातार तीसरी बार जीत

महाराष्ट्र, भारत का छठा ऐसा राज्य बन गया है, जहां बीजेपी ने लगातार तीसरी बार जीत हासिल की है। गोवा, गुजरात, छत्तीसगढ़, हरियाणा और मध्य प्रदेश ऐसे राज्य रहे हैं जहां बीजेपी लगातार तीन चुनाव जीतकर सत्ता में काबिज हुई है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजों को देखें तो कांग्रेस और शरद पवार के लिए ये चुनाव बेहद निराशाजनक रहा है। कांग्रेस, एनसीपी (शरद पवार) और शिवसेना (यूबीटी) का ये अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन है।

गौरतलब है कि मई में हुए लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र में विपक्षी गठबंधन महाविकास अघाड़ी ने कुल 48 सीटों में से 30 सीटें जीती थीं और महायुति को 17 सीटों पर ही कामयाबी मिली थी। महाराष्ट्र में बीजेपी लोकसभा चुनाव में 28 सीटों पर चुनाव लड़ी थी लेकिन नौ सीटों पर ही कामयाबी मिली थी. वहीं कांग्रेस ने 17 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे और 13 सीटों पर कामयाबी मिली थी। लेकिन विधानसभा चुनाव में संकेत बिल्कुल अलग दिख रहे हैं। महाराष्ट्र में बीजेपी की जीत से हिन्दुत्व की राजनीति पर बाल ठाकरे के परिवार की दावेदारी कमज़ोर होगी यानी महाराष्ट्र में हिन्दुत्व की राजनीति पर शिव सेना से वैसी प्रतिद्वंद्विता नहीं मिलेगी। मुंबई देश की आर्थिक राजधानी मानी जाती है और जिसकी वहां सरकार बनेगी, उसका आर्थिक राजधानी पर कंट्रोल होगा। राज्य में कांग्रेस की हार लोकसभा चुनाव के बाद हरियाणा के अलावा यह दूसरी सबसे बड़ी हार होगी।

गठबंधन में भाजपा को मजबूती

बहरहाल, ये परिणाम बीजेपी के लिए उत्साहवर्धक हैं, जिसने पिछले महीने हरियाणा में अभूतपूर्व तीसरी बार जीत हासिल की थी। आम चुनाव के दौरान राज्य में खराब प्रदर्शन के बाद इन परिणामों से पार्टी का उत्साह बढ़ेगा। लोकसभा चुनाव में बीजेपी को 240 सीट पर जीत मिली थी। महाराष्ट्र के जनादेश ने महायुति गठबंधन के भीतर भाजपा को मजबूती दी है और ये जनादेश देवेंद्र फडणवीस के पुनः मुख्यमंत्री बनने की संभावना को खोलता है। साथ ही ये परिणाम कांग्रेस और मराठा नेता शरद पवार के लिए आत्मचिंतन का विषय है।

निवेश करने से पहले खुद से पूछें सवाल, मेरा लक्ष्य क्या

सफल निवेशक बनने के लिए पैसों का सही जगह निवेश जरूरी ■ यह सोचना चाहिए कि आपको कितने समय के लिए निवेश करना है ■ यह भी देखें कि कितना पैसा निवेश करना है और क्या चुनौतियां हैं ■ निवेश का लक्ष्य अल्पकालिक, मध्यकालिक या दीर्घकालिक तय करें

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

अगर आप भी निवेश करने जा रहे हैं या कर चुके हैं तो एक बार खुद से एक सवाल जरूर पूछें कि आखिर यह निवेश करने के पीछे मेरा लक्ष्य क्या है। मैं यह निवेश क्यों करना चाहता हूं। किसी भी तरह के निवेश के लिए बचत करना जरूरी है, लेकिन सिर्फ बचत के पैसे से आप अपनी सारी जरूरतें पूरी नहीं कर पाएंगे। एक सफल निवेशक बनने के लिए, बचत के पैसों को सही जगह निवेश करना जरूरी होता है। एक प्रभावशाली निवेश रणनीति के लिए, अपने आपसे कुछ महत्वपूर्ण सवाल पूछना बहुत जरूरी है। किसी अन्य काम की तरह, आपको अपने आपसे पूछना चाहिए कि आप क्यों निवेश कर रहे हैं। आपको अपना मकसद साफ कर लेना चाहिए। क्या आप पैसे बनाने के लिए, रिटायरमेंट के लिए, कोई संपत्ति खरीदने के लिए, या कोई और काम करने के लिए निवेश कर रहे हैं? यह तय हो जाने के बाद आपको यह सोचना चाहिए कि आपको कितने समय के लिए निवेश करना है, कितना पैसा निवेश करना है, और निवेश करते समय पैसों के मामले में आपको किस तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है? अपने उद्देश्य की रूपरेखा तैयार हो जाने के बाद आपको इसके लिए एक अल्पकालिक, मध्यकालिक या दीर्घकालिक लक्ष्य निर्धारित करना होगा।

मासिक क्षमता कितनी है?

आप अपने निवेश के लिए अपनी आमदनी में से कितना पैसा निकाल सकते हैं। आप इसे एकमुश्त भुगतान के रूप में एक बार में ही निवेश करना चाहते हैं या हर महीने थोड़ा-थोड़ा करके। निवेश की रकम तय करते समय आपको सावधान और वास्तविकतावादी होना चाहिए और अपने पैसों को धीरे-धीरे बढ़ने देना चाहिए। अपने संसाधनों के साथ-साथ अपनी निवेश क्षमता के बारे में सबसे ज्यादा जानकारी आपको ही होती है। एकमुश्त भुगतान, इक्विटी में निवेश करने वाले निवेशकों के लिए, बाजार में गिरावट के दौरान, फायदेमंद हो सकता है लेकिन हर महीने एक निश्चित रकम निवेश करने से सहज तरीके से निवेश कर सकते हैं।

कौन-कौन से जोखिम उठाने पड़ेंगे?

क्या आपको जोखिम उठाना पसंद है या आप उनसे बचना चाहते हैं। ये जोखिम कई तरह के हो सकते हैं - बाजार, मुद्रास्फीति, रिटर्न, गलत-बिक्री, ब्याज दर, मुद्रा में उतार-चढ़ाव, इत्यादि। शायद ही कोई ऐसा निवेश हो जो कि जोखिम मुक्त हो। इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में बाजार सम्बन्धी जोखिम होता है जो बहुत कम समय में आपका सारा पैसा ख़त्म कर सकता है। एंडोमेंट इंश्योरेंस प्लान में रिटर्न सम्बन्धी जोखिम होता है जहां आपको प्रचलित मुद्रास्फीति दर की तुलना में कम रिटर्न मिल सकता है। डेट म्यूचुअल फंड्स, ब्याज दर में हलचल से प्रभावित हो जाते हैं। आपको इनमें से किसी में भी निवेश करने से पहले निवेश से जुड़े जोखिमों के बारे में अच्छी तरह जान लेना चाहिए।

अवधि क्या है?

निवेश के समय निर्धारण को इन्वेस्टमेंट होराइजन भी कहा जाता है। इससे निवेश की अवधि तय करने में मदद मिलेगी। इस लक्ष्य को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए आपको एक पूर्व-निर्धारित अवधि तक उसी हिसाब से निवेश करना होगा। समय-समय पर इस अवधि का मूल्यांकन करना चाहिए और जरूरत पड़ने पर उसमें फेरबदल भी करना चाहिए। इसका मतलब यही है कि किसी भी निवेश की अवधि ऐसी होनी चाहिए कि आप अपने निर्धारित उद्देश्य के अनुसार उसका लाभ उठा सकें।

क्या टैक्स की बचत होती है?

आपको निवेश से टैक्स की बचत के बारे में पूछना चाहिए। अधिकांश निवेशों पर मिलने वाले रिटर्न पर अलग-अलग मानदंडों के आधार पर टैक्स लगता है। टैक्स देने के बाद आपको कितना रिटर्न मिलेगा। उदाहरण के लिए, फिक्स्ड डिपोजिट में आपको 7% प्रति वर्ष की दर से ब्याज मिलता है, लेकिन यदि आप 30% टैक्स देते हैं तो टैक्स देने के बाद आपको 4.9% रिटर्न मिलेगा, जो कि बहुत कम है। आपको ऐसे निवेश साधनों पर विचार करना चाहिए जो आपके टैक्स के बोझ को कम कर सके। उदाहरण के लिए, दीर्घकालिक ऋण निवेश के लिए, पब्लिक प्रोविडेंट फंड आपके लिए सबसे अच्छा विकल्प है क्योंकि इसमें किया जाने वाला निवेश टैक्स-फ्री होता है। इक्विटी में किया जाने वाला निवेश जिसकी अवधि एक साल से अधिक होती है, दीर्घकालिक टैक्स लाभ की दृष्टि से फायदेमंद नहीं है। यदि आप धारा 80C के तहत टैक्स बचाना चाहते हैं और बाजार से जुड़े रिटर्न पाना चाहते हैं तो आप इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम्स (ईएलएसएस) में निवेश कर सकते हैं क्योंकि यह भी टैक्स-फ्री रिटर्न देता है। निवेश जितना अधिक टैक्स बचानेवाला होगा, आप उतनी जल्दी अपना उद्देश्य पूरा कर पाएंगे।

किस तरह कमीशन व चार्ज देना पड़ेगा

एक निवेशक होने के नाते आपको यह जानने का पूरा हक है कि निवेश करने पर कितनी आमदनी होगी। कभी भी जल्दबाजी में निवेश करने की गलती न करें। क्योंकि तरह-तरह के निवेश में तरह-तरह के चार्ज लगते हैं। इसलिए, आपको पूछना चाहिए कि ये चार्ज क्यों लग रहे हैं। आपको पता होना चाहिए कि आपके निवेश की रकम का कितना हिस्सा इस तरह का चार्ज और कमिशन देने के लिए इस्तेमाल किया जाएगा, और इस तरह के खर्च के बाद आपको कुल कितना रिटर्न मिलेगा।

निवेश से कैसे बाहर निकल सकते हैं

निवेश करने का अंतिम फैसला लेने से पहले, आप पूछें कि इससे कैसे बाहर निकल सकते हैं। आपको कई कारणों से इस निवेश से बाहर निकलना पड़ सकता है। आपको कुछ समय के लिए पैसों की जरूरत पड़ सकती है, आप इस निवेश साधन से खुश नहीं हैं, आपको इससे बेहतर निवेश साधन मिल गया है, इत्यादि। आपको यह अच्छी तरह समझ लेना चाहिए कि आप इसे कब और कैसे छोड़ सकते हैं ताकि जरूरत के समय अफ़सोस न करना पड़े। निवेश साधन बेचने वाले व्यक्ति के मौखिक आश्वासन पर भरोसा करना काफी नहीं है। आपको लिखित में जानने का पूरा हक़ है।

बाजार के बुरे दौर में निवेश बनाए रखें या निकाल लें पैसा

■कौन सी स्ट्रैटेजी होगी सही, पीक से 12% टूट चुका है निफ्टी
■शेयर बाजार में गिरावट का सिलसिला जारी
■सेंसेक्स अपने आलटाइम हाई से 12% व निफ्टी 12.5% तक टूटी

जानकारी

बिजनेस डेस्क

इन दिनों शेयर बाजार में गिरावट का सिलसिला लगातार जारी है। सेंसेक्स अपने आलटाइम हाई से करीब 13 फीसदी और निफ्टी 12.8 फीसदी तक टूट गया है। इस गिरावट ने स्टॉक ही नहीं इक्विटी म्यूचुअल फंड के शॉर्ट टर्म रिटर्न पर असर डाला है। ऐसे में निवेशकों का बाजार में पैसे लगाने को लेकर कनफ्यूज होना जायज है। एक्सपर्ट मान रहे हैं कि मौजूदा भाव से बाजार में 2 से 3 फीसदी गिरावट और बढ़ सकती है। बहुत से निवेशक ऐसे भी होंगे जो बाजार में एंट्री करने से घबरा रहे होंगे या जिनका निवेश होगा, वे निकालने की तैयारी कर रहे होंगे। तो क्या बाजार के इस बुरे दौर में आपको अपना निवेश बनाए रखना चाहिए या आपको अपना पैसा निकालना चाहिए। इस रिपोर्ट में हम आपको बताने जा रहे हैं ऐसी ही कुछ बाते जो आपको बाजार की गिरवट के दौर में कुछ सुकून दे सकती हैं। हालांकि कहा जाता है की बाजार की गिरावट के दौर में निवेशकों को घबराकर पैसा नहीं निकलना चाहिए, क्योंकि बाजार में गिरवट का दौर ज्यादा लंबा नहीं होता।

बुरे समय में निवेश के फायदे

बाजार में गिरावट आने पर निवेश के कुछ फायदे भी होते हैं। ऐसे में आप इन फायदों को भी भुना सकते हैं। आपको लो कास्ट इन्वेस्टमेंट का मौका मिलता है। अगर आप एसआईपी इन्वेस्टर हैं, तो यूनिट सस्ते में मिल जाता है। वहीं, जब बाजार में रिकवरी आती है तो इन यूनिट पर आपको बेहतर रिटर्न हासिल होता है। बाजार में गिरावट लंबी अवधि के लिए निवेश का मौका देती है। अगर आपका लक्ष्य लंबी अवधि का है, तो बाजार में गिरावट वास्तव में कम कीमतों पर अधिक खरीदारी का अवसर है। हालांकि अगर आपका फाइनेंशियल लक्ष्य पूरा होने की कगार पर है तो आप इक्विटी से पैसा डेट या किसी सुरक्षित या निवेश के ट्रेडिशनल विकल्पों में ट्रांसफर करना चाहिए।

बाजार के व्यवहार को लेकर कुछ तय नहीं

बाजार के जानकारों का कहना है कि उतार चढ़ाव बाजार का एक ऐसा ट्रेंड है, जो समय समय पर देखने को मिलता रहता है। यह अनुमान लगाना व्यावहारिक रूप से असंभव है कि किसी निश्चित दिन बाजार कैसा व्यवहार करेगा। ऐसे कई दौर रहे हैं, जब बाजार में बड़ी गिरावट आती है और रिकवरी उससे भी तेजी से होती है। बाजार में गिरावट स्थिर नहीं होती है, कई मौकों पर गिरावट के बाद तेज रिकवरी देखने को मिली है। इसलिए सिर्फ गिरावट देखकर निवेश भुना लेना समझदारी नहीं है। गिरावट के समय निवेश के कई फायदे हैं। ऐसे समय में आप अपना निवेश बढ़ा सकते हैं और बाद में अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। निवेश को लेकर भी अलर्ट रहना जरूरी होता है।

घबराने की बजाय बेस्ट डे का उठाएं फायदा

एक रिपोर्ट बताती है कि निवेशकों को इस तरह के माहौल में घबराने की बजाय बाजार के सबसे अच्छे दिनों का इंतजार करना चाहिए। रिपोर्ट के अनुसार 1995 के बाद से अबतक ऐसे कई फेज आए हैं, मसलन वैश्विक मंदी, कोविड 19, ग्लोबल रेट हाइक सेल आफ या चुनावों को लेकर अनिश्चितताएं. लेकिन इस दौरान भी बाजार ने कुछ बेहतरीन दिन देखे हैं, जिनमें बाजार ने हाई रिटर्न दिया है। इन बेहतरीन दिनों के चलते हर बार ऐसे फेज के बाद बाजार का लॉन्ग टर्म रिटर्न अच्छा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार बीते करीब 20 साल की बात करें तो जो निवेशक बाजार के सबसे अच्छे 10 दिनों से चूक गए, उनका रिटर्न आधे से भी कम रह गया।

बिगेस्ट बुल मार्केट के दौर में भी गिरावट

इंडियन मार्केट के लिए बिगेस्ट बुल मार्केट 2003-2007 के बीच रही, जबकि इस दौरान निफ्टी ने 214% रिटर्न जेनरेट किया। 5 साल में लार्जकैप का सीएजीआर 35% रहा था। जबकि 2003 में इंट्रा ईयर मार्केट फाल 14 फीसदी था। यानी अगर किसी ने 2003 में अपना पूरा निवेश निकाल लिया होगा तो उसे 214 फीसदी रिटर्न से हाथ धोना पड़ा।

निवेश से पहले समझ लें एक्सपेंस रेश्यो, वरना घट सकता है मुनाफा

- म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों के लिए सबसे जरूरी
- एसआईपी के जरिये निवेश आजकल तेजी से हो रहा पॉपुलर
- ग्रामीण क्षेत्रों में भी एसआईपी के जरिये निवेश बढ़ रहा
- एसआईपी वेल्थ क्रिएशन के लिहाज से काफी अच्छी स्कीम

अलर्ट

बिजनेस डेस्क

अगर आप म्यूचुअल फंड्स में निवेश करने का मन बना रहे हैं तो एक बार एक्सपेंस रेश्यो के बारे में जरूर जान लें, क्योंकि ये आपके मुनाफे में सेंध लगा सकता है। एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड्स में निवेश करने का तरीका आजकल तेजी से पॉपुलर हो रहा है। एसआईपी को निवेश के बेहतरीन ऑप्शंस में गिना जाता है। मार्केट लिंक्ड स्कीम होने के बावजूद ये डायरेक्ट शेयर्स में निवेश करने के मुकाबले ये कम जोखिमभरा माना जाता है। ज्यादातर एक्सपर्ट्स इसका औसत रिटर्न 12 फीसदी मानते हैं। कंपाउंडिंग का फायदा मिलने के कारण लॉन्ग टर्म में ये स्कीम अच्छा खासा मुनाफा करवा सकती है। एसआईपी को वेल्थ क्रिएशन के लिहाज से काफी अच्छी स्कीम माना जाता है, लेकिन अगर आप इसमें इन्वेस्ट करने का मन बना रहे हैं तो आपको पहले एक्सपेंस रेश्यो के बारे में जरूर जान लेना चाहिए। आमतौर पर लोगों को लगता है अगर किसी फंड का रिटर्न 12 फीसदी या 15 फीसदी है उसका पूरा फायदा उन्हें होगा, लेकिन ऐसा नहीं होता। मुनाफे में सेंध लगाने के लिए एक्सपेंस रेश्यो बीच में आ जाता है। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे कि ये एक्सपेंस रेश्यो आखिर क्या बला है जो आपके मुनाफे को घटने की क्षमता रखती है।

क्या होता है एक्सपेंस रेश्यो?

एसेट मैनेजमेंट कंपनीज (एएमसी) म्यूचुअल फंड्स को मैनेज करती हैं। एएमसी फंड डिस्ट्रीब्यूशन और मार्केटिंग का खर्चा उठाती हैं, साथ ही म्यूचुअल फंड के ट्रांसफर कस्टोडियन, लीगल और ऑडिटिंग जैसे खर्च भी उठाती है। ये सभी तरह के खर्च म्यूच्युअल फंड की यूनिट खरीदने वाले इन्वेस्टर्स से वसूले जाते हैं। इस तरह के सभी एक्सपेंस निकालने के बाद म्यूच्युअल फंड स्कीम की नेट एसेट वैल्यू निकाल ली जाती है। सरल शब्दों में समझें तो आपके म्यूचुअल फंड को मैनेजमेंट का जो भी खर्च आता है उसे एक्सपेंस रेश्यो कहा जाता है। किसी भी फंड का एक्सपेंस रेश्यो ही ये तय करता है कि आपको कोई फंड कितना सस्ता मिलेगा।

MUTUAL
FUND

एक बार में नहीं वसूले जाते हैं रेश्यो

हर कंपनी अपने लिए अपने हिसाब से एक्सपेंस रेश्यो सेट करती है। एक्सपेंस रेश्यो एक बार में नहीं वसूले जाते हैं। फंड हाउस अपने हर दिन के खर्चे को कैलकुलेट करते हैं, जिसके बाद इसे डेली बेसिस पर निकाला जाता है। एनुअल एक्सपेंस रेश्यो, साल के ट्रेडिंग डेज में डिवाइड होते हैं, जिन्हें टोटल एनवी पर लगाया जाता है। एक्सपेंस रेश्यो से यह पता चलता है कि आपके इन्वेस्टमेंट पोर्टफोलियो से आपका म्यूच्युअल फंड मैनेजमेंट आपसे कितनी फीस ले रहा है।

कई तरह के होते हैं म्यूचुअल फंड्स

म्यूचुअल फंड कई तरह के होते हैं जैसे-इक्विटी फंड्स, डेट फंड्स, बैलेंस या हाइब्रिड फंड्स। इक्विटी फंड, निवेशकों से लिए पैसे को शेयर में लगाते हैं। डेट फड्स में निश्चित आय वाले साधनों जैसे ट्रेजरी बिल, कॉरपोरेट बॉन्ड और गवर्नमेंट सिक्योरिटीज में निवेश करते हैं। वहीं, हाइब्रिड में इक्विटी और डेट फंड्स का मिश्रण होता है।

निवेश करते समय यह रखें ध्यान

- **वित्तीय उद्देश्य निर्धारित करें :** निवेश के लिए आपके लक्ष्य क्या हैं? क्या आप रिटायरमेंट, घर के लिए डाउन पेमेंट या किसी और चीज के लिए बचत कर रहे हैं? आपको पैसे की ज़रूरत पड़ने से पहले कितना समय बचा है? पहले यह तय करना जरूरी है।
- **जोखिम सहन करने की क्षमता :** आप कितना जोखिम उठाने में सहज हैं? अगर आप रिटायरमेंट के करीब हैं, तो आपको कम जोखिम वाला फंड चुनना चाहिए। अगर आप युवा हैं, तो आप ज़्यादा जोखिम उठाने में सक्षम हो सकते हैं।
- **म्यूचुअल फंड का प्रकार चुनें :** म्यूचुअल फंड के कई अलग-अलग प्रकार हैं, जिनमें से प्रत्येक का अपना जोखिम और लाभ प्रोफ़ाइल है। आपको अपने वित्तीय लक्ष्यों और जोखिम सहनशीलता के लिए उपयुक्त फंड चुनना होगा।
- **सक्रिय या निष्क्रिय प्रबंधन शैली :** सक्रिय रूप से प्रबंधित फंड बाजार को मात देने की कोशिश करते हैं, जबकि निष्क्रिय रूप से प्रबंधित फंड एक विशिष्ट सूचकांक को ट्रैक करते हैं।
- **शॉर्टलिस्ट फंडों के प्रदर्शन की जांच करें :** कुछ वर्षों में शॉर्टलिस्ट किए गए फंडों का प्रदर्शन कैसा रहा है? वे अपने साथियों की तुलना में कैसे हैं?
- **व्यय अनुपात का विश्लेषण करें :** व्यय अनुपात आपके निवेश का वह प्रतिशत है जो फीस में जाता है। कम व्यय अनुपात का मतलब है कि आपका ज़्यादा पैसा आपके काम में जाता है।
- **फंड की लिक्विडिटी और आकार की जांच करें :** फंड में शेयर खरीदना और बेचना कितना आसान है? फंड कितना बड़ा है? बड़े फंड ज़्यादा लिक्विड होते हैं, लेकिन वे ज़्यादा महंगे भी हो सकते हैं। फंड मैनेजर की विशेषज्ञता का आकलन करें। फंड मैनेजर कितना अनुभवी है? उनका ट्रैक रिकॉर्ड क्या है?
- **पॉलिसी दस्तावेज़ पढ़ें :** यह दस्तावेज़ फंड के बारे में सब कुछ बताएगा, जिसमें उसका निवेश उद्देश्य, जोखिम प्रोफ़ाइल और शुल्क शामिल हैं।

ऐसे खोल सकते हैं खाता

- **ऑनलाइन :** निवेशक फंड हाउसों की वेबसाइट या ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से ऑनलाइन म्यूचुअल फंड खाते खोल सकते हैं।
- **ऑफलाइन :** निवेशक ऑफलाइन खाता खोलने के लिए म्यूचुअल फंड वितरक या निकटतम शाखा कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

तैयारी बचत और निवेश का ध्यान रखते हुए सही फाइनेंशियल प्लानिंग करें, अमीर बनने के लिए पहले अपनी आदतें सुधारनी होंगी

पांच गलतियां जो भविष्य में करवाती हैं बड़ा नुकसान, इनसे सबक लेना जरूरी

सपना देखें और उसे पूरा करने के लिए जी जान लगा दें

कई बार लोग अमीर बनने का सपना तो देखते हैं, लेकिन पूरा नहीं करते

समझदारी

बिजनेस डेस्क

आज के समय में पैसे कमाना कोई बड़ी बात नहीं है। हालांकि उसके लिए थोड़ी मेहनत करनी होगी और अपनी कुछ आदतें भी बदलनी होंगी। तभी हम अमीर बनकर अपने भविष्य को उज्जवल बना सकते हैं। इसके लिए आपको सार्थक प्रयास करने होंगे। वरना पछताने के सिवाय कुछ नहीं बचेगा और बुढ़ापा भी संघर्ष में ही बीत जाएगी। करोड़पति बनना आज के समय में कोई मुश्किल काम नहीं है। अगर कोई सामान्य व्यक्ति भी बचत और निवेश का ध्यान रखते हुए सही फाइनेंशियल प्लानिंग करे, तो कुछ वर्षों में खुद को करोड़पति बना सकता है, लेकिन कई बार लोग काफी अच्छा कमाने के बावजूद पैसों के लिए परेशान रहते हैं। उनके बैंक अकाउंट में पर्याप्त बैलेंस तक नहीं होता। इसके पीछे इंसान की छोटी-छोटी आदतें जिम्मेदार होती हैं। अपनी कुछ आदतों के चलते लोग अपना काफी सारा पैसा फिजूल में बर्बाद कर बैठते हैं और बाद में पछताते हैं। खासकर जेन जेड जिनमें कुछ कर दिखाने का जोश तो काफी होता है, लेकिन इस जोश में वो होश संभालना भूल जाते हैं। ये गलती आगे चलकर उन्हें भारी पड़ती है। जब इसका अहसास होता है, तब तक काफी देर हो जाती है। यहां जानिए ऐसी 5 आदतों के बारे में जो आपका फाइनेंशियल फ्यूचर खतरे में डाल सकती हैं।

सेविंग्स न करना

पैसा हाथ में आया नहीं, उससे पहले ये प्लान बना हुआ है कि इसे कहां खर्च कर देना है। ये आदत अक्सर जेन जेड में देखने को मिलती है। अगर वो नौकरी भी करते हैं तो उनकी सोच होती है कि पैसा बचाने के लिए पूरी जिंदगी पड़ी है, अभी तो मौज कर लेनी चाहिए। ऐसे में वो पैसों की बचत नहीं कर पाते और सारा पैसा शौक में उड़ा देते हैं। ध्यान रखिए पैसों को उड़ाने की ये आदत आसानी से बदल नहीं पाती और आगे चलकर आपको बचत करने में बहुत समस्या होती है। इसलिए अगर अमीर बनना है तो पहली सैलरी के साथ ही बचत करना सीखें। बचत के मामले में 50-30-20 का रूल फॉलो करें और हर हाल में अपनी सैलरी का 20 फीसदी हिस्सा बचाएं।

इन्वेस्टमेंट न करना

तमाम लोग पैसा बचा तो लेते हैं, लेकिन वो अकाउंट में पड़ा रहता है और फिर अचानक से कहीं खर्च हो जाता है और वो फिर से खाली. इसलिए बचत के पैसों से निवेश करने की आदत डालें। निवेश किया गया पैसा भविष्य में आपके लिए बड़ा सपोर्ट करता है। आजकल ऐसे तमाम निवेश के ऑप्शंस मौजूद हैं जो कंपाउंडिंग का फायदा देते हैं और पैसो को तेजी से वेल्थ में क्रिएट कर देते हैं। सही स्ट्रैटेजी के साथ अगर आप कहीं निवेश करेंगे तो करोड़पति बनना भी बड़ी बात नहीं।

अमीर होने का दिखावा

यंग जेनरेशन में अमीर होने का दिखावा करने की आदत बहुत ज्यादा देखने को मिलती है। अमीर होने और दूसरों को अमीर दिखाने में बहुत बड़ा फर्क है। आजकल लोग खुद को अमीर दिखाने के लिए पैसों को महंगी शराब, पार्टी, स्मोकिंग, महंगे रेस्त्रां में जाना, ऑनलाइन गेम्स, डिस्क, ब्रांडेड शॉपिंग आदि में तमाम पैसे खर्च करते हैं, जिन्हें वो आसानी से बचा सकते हैं। अगर इन पैसों को बचाकर वो सही जगह पर निवेश करें तो आने वाले कुछ सालों में वो वास्तव में दौलतमंद बन जाएंगे, किसी को अमीर बनकर दिखाने की जरूरत नहीं होगी।

शौक पूरे करने के लिए कर्ज लेना

आज के समय में बैंक में आपको लोन की सुविधा मिल जाती है, लेकिन इसे अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए लिया जा सकता है, शौक पूरे करने के लिए नहीं। मकान के लिए, एजुकेशन के लिए, बिजनेस बढ़ाने के लिए या फिर किसी इमरजेंसी में अगर आप लोन लेते हैं तो ये आपकी जरूरत है, लेकिन अगर आप शॉपिंग के लिए, घूमने-फिरने के लिए, महंगा स्मार्टफोन वगैरह खरीदने के लिए लोन ले रहे हैं तो ये फिजूल खर्च है। इस खर्च को रोकिए। क्रेडिट कार्ड ने लोगों को तमाम सुविधाएं दी हैं, तो कर्ज की आदत को भी काफी बढ़ा दिया है। इसके चक्कर में कई बार खर्चे जरूरत से ज्यादा हो जाते हैं और आमदनी इन कर्जों को चुकाने में चली जाती है। अगर आपने इस आदत को कंट्रोल नहीं किया तो भविष्य में अमीर बनने का सपना पूरा होना मुश्किल हो जाएगा।

हेल्थ इंश्योरेंस न खरीदना

भारत में आज भी एक बड़ा वर्ग हेल्थ इंश्योरेंस को जरूरी नहीं समझता। अगर आप भी उनमें से एक हैं, तो इस गलती को सुधार लें और हर हाल में हेल्थ इंश्योरेंस प्लान खरीदें। सेहत से जुड़ी इमरजेंसी कभी भी किसी के भी सामने आ सकती है। ऐसे में सेविंग्स का काफी पैसा अचानक से खर्च हो जाता है और फिर आप पछताते रहते हैं। अगर आप पहले से हेल्थ इंश्योरेंस खरीदकर रखेंगे तो ये आपके और आपके परिवार को सुरक्षा कवच देगा और मुश्किल समय में आपकी जिंदगी को बचाने में मददगार होगा। साथ ही आपके पैसों को भी बचाएगा। आप जितनी कम उम्र पर हेल्थ इंश्योरेंस प्लान खरीदते हैं, ये उतने बेहतर दामों में मिल जाता है।

संक्षिप्त खबरें

बार एसोसिएशन ने किया सीजेआई का अभिनंदन

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने शुक्रवार को भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) न्यायमूर्ति संजीव खन्ना का अभिनंदन किया। दिल्ली हाईकोर्ट के जज रहे न्यायमूर्ति खन्ना ने बार एसोसिएशन परिसर में आयोजित अभिनंदन समारोह में कहा कि मैं इस संस्थान (दिल्ली हाईकोर्ट) का बहुत बड़ा ऋणी हूं। यह देश का सबसे महानगरीय हाईकोर्ट है। यहां किसी को बाहरी नहीं माना जाता.. आज यहां आने का मेरा उद्देश्य.. एक वकील और फिर एक न्यायाधीश के तौर पर मैंने जो कुछ भी हासिल किया है, उसके लिए मैं इस कोर्ट के प्रति आभार व्यक्त करना चाहता हूं। मैं इस संस्था का बहुत आभारी हूं।

पीड़ित परिवारों को नौकरी देना सराहनीय : कालका

नई दिल्ली। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने 1984 के सिख कत्लेआम घटना के 40 साल बाद पीड़ित परिवारों के सदस्यों को सरकारी नौकरी देने के फैसले को सराहनीय बताया। कमेटी ने इस फैसले पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और उप राज्यपाल वीके सक्सेना का आभार व्यक्त किया। कमेटी के अध्यक्ष सरदार हरमीत सिंह कालका और महासचिव सरदार जगदीप सिंह काहलो ने कहा कि 1984 के क़तलेआम के 40 साल बाद पीड़ित परिवारों को नौकरी देने का फैसला मोदी सरकार की ओर से एक महत्वपूर्ण कदम है, जो उनके जख्मों पर मरहम लगाने जैसा है।

मोबाइल चोर व भगोड़ा अपराधी को पकड़ा

नई दिल्ली। पुलिस ने अलग-अलग मामलों में दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक आरोपी को सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट के ऑपरेशन यूनिट की टीम ने गिरफ्तार किया है। इसके पास से एक मोबाइल फोन बरामद किया गया। पुलिस ने बताया स्नैचिंग की वारदात पहाड़गंज इलाके में हुई थी। जब एक व्यक्ति ऑफिस से काम खत्म करके ऑटो रिक्शा से अपने घर जा रहा था। आरोपी की पहचान शंकर शर्मा के रूप में हुई। एक अन्य मामले में सरोजिनी नगर थाना की पुलिस टीम ने वांटेड आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसे कोर्ट ने भगोड़ा भी घोषित कर रखा है। उसकी पहचान नंबरचंद के रूप में हुई।

आईपीयू के एमपीओ कोर्स में आवेदन 25 तक

नई दिल्ली। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी के एमपीओ कोर्स में एडमिशन के लिए 25 नवम्बर तक आवेदन किया जा सकता है। कोर्स में एडमिशनप के लिए 28 नवंबर को आईपीयू एक प्रवेश परीक्षा आयोजित करेगा। इसी दिन इस प्रवेश परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया जाएगाऔर 29 नवम्बर को प्रवेश परीक्षा के मेरिट के आधार पर दाख़िले के लिए ऑफ़लाइन काउन्सलिंग शुरू हो जाएगी। इस प्रोग्राम में दाख़िले के लिए आवेदक का बीपीओ प्रोग्राम में 50 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण होना आवश्यक है। एमपीओ में 8 सीटें उपलब्ध हैं।

बूटकैंप के तीसरे संस्करण का उद्घाटन

नई दिल्ली। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई), स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग (डीओएसईएल) व शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सेल (एमआईसी) ने सीबीएसई तथा एनसीईआरटी के सहयोग से 'इनोवेशन, डिजाइन और उद्यमिता (आईडीई) बूटकैंप' के तीसरे संस्करण का शुभारंभ किया। यह पहल सेकंडरी और सीनियर सेकंडरी स्कूल छात्रों, शिक्षकों और प्रधानाचार्यों के लिए है। बूटकैंप का उद्घाटन एआईसीटीई के उपाध्यक्ष व एमआईसी के मुख्य नवाचार अधिकारी डॉ. अभय जेरे ने किया। एनसीईआरटी-परख की प्रमुख प्रो. इंद्राणी भादुड़ी और सीबीएसई के कौशल शिक्षा और प्रशिक्षण निदेशक डॉ. विश्वजीत साहा भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

परिनिर्वाण दिवस पर दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। स्वतंत्रता पूर्व कवीर पंथ के पारखी संत गोवर्धन दास साहेब के शिष्य तुलसी राम के परिनिर्वाण दिवस पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके साथ व सामाजिक कार्यकलापों व संस्मरणों की पुनरावृत्ति की गई। इस मौके पर समाज के विभिन्न राज्यों के समर्थकों ने भाग लिया।

पत्नी की हत्या कर खुदकशी की कोशिश, बेटे को किया जख्मी

नई दिल्ली (एसएनबी)। कल्याणपुरी इलाके के खिचड़ीपुर में एक पति ने पत्नी और बेटे को चाकू मारकर बुरी तरह घायल कर दिया। इसमें उसकी पत्नी की मौत हो गई, जबकि मां बचाने आया बेटा घायल हो गया। घटना के बाद आरोपी पति ने अपने घर अलीगढ़ में पहुंचकर पेड़ से लटककर फांसी लगाने की कोशिश की, लेकिन लोगों ने उसे बचा लिया। वह अस्पताल में भर्ती है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस ने बताया कि मामला आपसी कहासुनी का है। पूर्वी दिल्ली के खिचड़ीपुर 7 ब्लॉक में संजय उर्फ संजू की पत्नी से कहासुनी हो गई थी। इस दौरान गुस्से में संजू ने पत्नी गीता व बेटे राज को चाकू मार दिया। बाद में पत्नी व बेटे को तड़पता छोड़ वहां से भागकर अपने घर अलीगढ़ पहुंच गया। जहां खेत में पेड़ से लटककर उसने फांसी लगा ली, लेकिन वहां मौजूद लोगों ने उसे बचाकर अस्पताल में भर्ती कराया। एक पड़ोसी ने पुलिस को बताया कि पति-पत्नी के बीच रोज ही कहासुनी होती थी। घटना की सुबह भी दोनों के बीच कहासुनी चल रही थी। इस दौरान गुस्साए पति ने पत्नी के पेट में चाकू घोंपा और बेटे को भी सीने में चाकू मारकर घायल कर दिया। मां-बेटे को घायल हालत में पड़ोसी ने अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान गीता ने दम तोड़ दिया वहीं बेटे राज को छुट्टी दे दी गई।

- मां को बचाने आये बेटे के सीने में मारा चाकू
- खुद गांव पहुंचकर फांसी लगाकर की आत्महत्या की कोशिश

शराब पीने के लिए मांगता था पैसे

डीसीपी अपूर्वा गुप्ता ने बताया कि मंगलवार को एलबीएस अस्पताल में गीता और उसके बेटे की भर्ती होने की सूचना मिली थी। दोनों के पेट और छाती पर चाकू के घाव थे। शुरू में दोनों होश में थे। घायल गीता को ऑपरेशन के बाद वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। हालांकि, राज को प्रारंभिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। इसके बाद क्राइम टीम ने राज का बयान दर्ज किया। उसने बताया कि उसका पिता संजय उस दिन शराब के नशे में घर आया था और मां से शराब खरीदने के लिए पैसे मांगने लगा। जब उसने पैसे देने से इनकार कर दिया, तो पिता ने गुस्से में मां के पेट में चाकू घोंप दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। जब उसने मां को बचाने की कोशिश की तो पिता ने उसके सीने पर भी चाकू से वार कर दिया। पुलिस ने बताया कि आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए जानबूझकर अपना मोबाइल पास में फेंक कर घर से भाग गया था। बाद में आरोपी की मौजूदगी यूपी में उसके गांव में पाई गई। आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए टीमें भेजी गईं। स्थानीय पुलिस को भी शामिल किया गया। हालांकि, पुलिस को आरोपी के गांव पहुंचने से पहले ही सूचना मिली कि उसने एक पेड़ से लटक कर आत्महत्या करने की कोशिश की है लेकिन उसे बचा लिया गया है। वह अभी चिकित्सकीय निगरानी में है। अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद उसे हिरासत में ले कर कोर्ट में पेश किया जाएगा।

हत्या के प्रयास के मामले में वांछित आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली (एसएनबी)। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा की एक टीम ने सुखवीर नामक एक अपराधी को गिरफ्तार किया है। आरोपी कालिंदी कुंज में दर्ज हत्या के प्रयास के मामले में वांछित है।

पुलिस के अनुसार घटना के दिन दो लड़के हाथापाई कर रहे थे। अनुराग कुमार नाम का एक व्यक्ति अरुण ठाकुर से लड़ रहा था। सुखवीर के उकसावे पर अनुराग ने पीड़ित को चाकू मार दिया। घटना के बाद आरोपी सुखवीर मौके से भाग गया था। इस बीच पुलिस को गोपनीय जानकारी मिली कि सुखवीर मीठापुर इलाके में अपने दोस्त से मिलने आ रहा है। इसके बाद छापेमारी के सुखवीर को गिरफ्तार कर लिया गया। सुखवीर अपनी आजीविका चलाने के लिए टैक्सी ड्राइवर का काम करता है।

पूछताछ के दौरान उसने खुलासा किया कि 25 मार्च इसी साल दोपहर में वह अपने भाई अनुराग से मिलने गली नंबर 2, बबलू डेयरी के पास, मदनपुर खादर गया था। वहां उसके भाई अनुराग और इलाके में मौजूद अरुण ठाकुर नामक लड़के के बीच विवाद हो गया। इस दौरान उसके भाई ने अरुण पर धारदार हथियार से हमला कर दिया और वह अपने भाई के साथ मौके से भाग गया था।

आतिशी के खिलाफ सुनवाई पर रोक, सुनवाई 2 को

नई दिल्ली (एसएनबी)। दिल्ली की एक सत्र अदालत ने मुख्यमंत्री आतिशी के खिलाफ चल रहे मानहानि के मामले पर रोक लगा दी है। उनके खिलाफ भाजपा प्रवक्ता प्रवीण शंकर की शिकायत पर संज्ञान लेते हुए मजिस्ट्रेट की अदालत ने 28 मई को उन्हें समन जारी कर पेश होने को कहा था। राऊज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने इसके साथ ही सुनवाई 2 दिसम्बर के लिए स्थगित कर दी है।

भाजपा प्रवक्ता प्रवीण शंकर ने अपनी शिकायत में कहा है कि आतिशी के आरोपों से उनकी और पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने आतिशी पर आरोप लगाया है कि उन्होंने 2 अप्रैल को प्रेस कांफ्रेंस कर दावा किया था कि भाजपा ने पार्टी में शामिल होने के लिए उनसे संपर्क किया था। साथ ही बड़ी रकम की पेशकश की गई थी।

कपूर ने कहा है कि आतिशी ने जानबूझकर व दुर्भावनापूर्ण इरादे से ऐसे बयान दिए हैं, जोकि न केवल झूठे, निंदनीय बल्कि मनगढ़ंत और भ्रामक हैं। भाजपा और उसके सदस्यों की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के लिए अपमानजनक है। आतिशी ने संपर्क करने वाले का न तो नाम बताया है और न ही कोई विवरण दिया है।

आतिशी ने सत्र अदालत से कहा है कि कपूर ने ऐसा कोई साक्ष्य पेश नहीं किया है जिससे यह मालूम हो कि कथित बयान व्यक्तिगत रूप से उन पर निर्देशित थे या निशाना बनाया गया था। साक्ष्यों से पता चलता है कि कपूर कथित अपराध से पीड़ित नहीं हैं, इसलिए उनके पास शिकायत दर्ज करने का अधिकार नहीं है। फिर भी उनके ही शिकायत पर मुझे समन भेजा गया है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा है कि मानहानि के मामलों में अदालत तभी विचार कर सकता है, जब शिकायतें कथित अपराध से प्रभावित व्यक्ति ने की हो।

- समन को आतिशी ने सत्र अदालत में दी है चुनौती

पेट्रोल पंप गोलीबारी में शामिल दो शूटरों को दबोचा

नई दिल्ली (एसएनबी)। स्पेशल सेल ने दो शूटरों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से .32 बोर की 2 अत्याधुनिक अवैध पिस्तौल और 22 जिंदा कारतूस बरामद किया गया। शूटर की पहचान अभिषेक कुमार उर्फ हर्षु और विक्रांत उर्फ विक्की के रूप में हुई।

पुलिस ने बताया कि 15 नवम्बर की रात को पेट्रोल पंप, गोकलपुरी पर फायरिंग की घटना हुई थी, जिसमें दो मोटरसाइकिलों पर सवार चार हमलावरों ने 16-18 राउंड फायरिंग की थी। घटना में पेट्रोल पंप के सुपरवाइजर अंशुल राठी घायल हो गए थे।

इस बीच सूचना मिली कि खिचड़ीपुर गांव के पास दोनों अपराधी आएंगे और दोनों को पकड़ा गया। पूछताछ में पता चला कि दोनों काला जठेरी गैंग के सदस्य हैं। एक अन्य मामले में क्राइम ब्रांच ने एक आरोपी महिला को पकड़ा। इसे कोर्ट ने हत्या मामले में 'घोषित अपराधी' घोषित किया गया था। पुलिस के अनुसार इसका नाम हेमलता है। उसने अपराध के हथियार को छुपाया था। इसके अलावा आरोपी राहुल को खून से सने कपड़े आदि जैसे सबूतों को नष्ट करने में भी मदद की थी। घटना के 5 महीने बाद, आरोपी राहुल और उसकी पत्नी हेमलता को मामले में गिरफ्तार किया गया। उसे मामले में जमानत मिल गई। जमानत मिलने के बाद उसने अदालती कार्यवाही में भाग लेना बंद कर दिया। उसे रोहिणी कोर्ट, दिल्ली की अदालत ने 'घोषित अपराधी' घोषित कर दिया।

- अन्य मामले में भी एक महिला को पकड़ा

- 2 अत्याधुनिक पिस्तौल व 22 जिंदा कारतूस बरामद

शातिर बदमाश व दो पॉकेट मार पकड़े

नई दिल्ली (एसएनबी)। रघुवीर नगर पुलिस चौकी की टीम ने स्नैचिंग, चोरी, सेंधमारी और आर्म्स एक्ट के मामलों में शामिल एक शातिर बदमाश को पकड़ा है। पुलिस का दावा है कि इसके पास से दो मोबाइल और बटनदार चाकू बरामद किया गया है। इसके अलावा इसकी गिरफ्तारी से तीन मामलों का खुलासा करने का पुलिस ने दावा किया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान राकेश उर्फ काका के रूप में हुई। जांच में पता चला कि इसके ऊपर 27 मामले पहले से चल रहे हैं। इसकी गिरफ्तारी से बाराखंबा रोड और ख्याला थाना के तीन मामलों का खुलासा किया। एक अन्य मामले में अंबेडकर नगर थाना की पुलिस टीम ने दो शातिर पॉकेट मार को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि दोनों बस में सवार लोगों के पॉकेट से मोबाइल साफ कर देते थे। इनके पास से चार मोबाइल बरामद किया गया है। आरोपी की पहचान जीशान उर्फ लाला के रूप में हुई। यह पहले से तीन आपराधिक मामलों में शामिल रहा है। इसका साथी अरुण उर्फ गोलू भी सात वारदात को अंजाम दे चुका था।

पुलिस ने सीसीटीवी से खोज निकाला झपटमार

नई दिल्ली (एसएनबी)। एक बुजुर्ग से झपटमारी कर फरार होने वाले बदमाश को सीसीटीवी फुटेज की मदद से एएटीएस की टीम ने पकड़ा। उसके पास से छीने गए तीन मोबाइल व दो चोरी की दोपहिया वाहन बरामद हुए। आरोपी की पहचान इंदरपुरी निवासी 20 अरुण के रूप में हुई। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने पांच मामले सुलझाने का दावा किया है।

पुलिस ने बताया कि सादिक नगर में रहने वाले 68 साल की बुजुर्ग बैंक से घर जा रही थी। इसी दौरान तभी ट्रांजिट कैंप हुडको पैलेस के पास स्कूटी सवार उनका बैग छीन कर फरार हो गया। बैग में 40 हजार कैश और उनका मोबाइल था। उनके शिकायत पर डिफेंस कॉलोनी थाने में मामला दर्ज किया गया था। मामले को सुलझाने के लिए घटना स्थल और उस पास के इलाके में कई सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। जिसमें संदिग्ध दिखाई पड़ा। उस फुटेज की मदद से आरोपी की पहचान कर इंदरपुरी इलाके से गिरफ्तार कर लिया गया। उसके पास से छीने गए तीन मोबाइल व चोरी की दो दोपहिया वाहन भी बरामद किए गए।

- तीन मोबाइल व दो दोपहिया वाहन बरामद

पकड़े गए ऑटो लिफ्टर व झपटमार

नई दिल्ली (एसएनबी)। पश्चिमी जिला के एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वाड की पुलिस टीम ने एक ऑटो लिफ्टर को गिरफ्तार किया। इसके पास से चोरी की दो स्कूटी और एक मोटरसाइकिल बरामद किया गया है। आरोपी की पहचान शैलेंद्र कुमार उर्फ शीलू कुमार के रूप में हुई। यह पहले से 15 आपराधिक मामलों में शामिल रहा है। इसकी गिरफ्तारी से पुलिस ने 3 मामलों का खुलासा करने का दावा किया है। इसी तरह कमला मार्केट थाना की पुलिस टीम ने दो आरोपी को गिरफ्तार किया है। जिनके पास से पुलिस टीम ने चोरी की तीन स्कूटी और एक मोटरसाइकिल बरामद किया है। आरोपियों की पहचान अमन और दीपक के रूप में हुई।

चार शातिर चोर पकड़े

नई दिल्ली (एसएनबी)। आउटर नॉर्थ पुलिस ने चार बदमाश पकड़े हैं। इनसे चोरी और ऑटो चोरी के छह मामलों को सुलझा लिया गया है। पुलिस के अनुसार आरोपी की पहचान गगन (32), साजिद (22), कमल (22) और सोनू (22) के रूप में हुई। सभी आरोपी कथित रूप से चोरी का माल लेकर जा रहे थे। बताया जाता है कि संदिग्ध दो वाहनों में यात्रा कर रहे थे। इसी दौरान सभी को पकड़ा गया। इनसे एक काली ईको और एक सफेद ईको बरामद हुआ। जिसमें चोरी की मूंग दाल के पैकेट थे। वाहन की तलाशी लेने पर मूंग दाल के 25 चोरी के पैकेट बरामद हुए।

कोरोना महामारी के दौरान ऊंची कीमत पर घटिया ऑक्सीजन सांद्रक बेचने का मामला

आरोपियों पर दर्ज प्राथमिकी रद्द करने से हाईकोर्ट का इनकार

नई दिल्ली (एसएनबी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने वर्ष 2021 में कोरोना महामारी की दूसरी लहर के दौरान कथित रूप से खराब और घटिया ऑक्सीजन सांद्रक ऊंची कीमत पर बेचने को लेकर एक फर्म व उसके अधिकारियों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने से इनकार कर दिया है। न्यायमूर्ति दिनेश कुमार शर्मा ने कहा कि ऐसे समय में कार्यवाही रद्द करना उचित नहीं है, जब जांच लंबित है। उन्होंने यह कहते हुए मैट्रिक्स सेलुलर इंटरनेशनल सर्विसेज लिमिटेड तथा अन्य की याचिका खारिज कर दी।

न्यायमूर्ति ने इस बात पर जोर दिया कि महामारी के दौरान विश्वसनीय और प्रभावी ऑक्सीजन सांद्रक उपलब्ध होना महत्वपूर्ण था। क्या ऑक्सीजन सांद्रक विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और सरकार की निर्धारित मानदंडों को पूरा करते थे। याचिकाकर्ताओं को उपकरण के घटिया होने के बारे में जानकारी थी या नहीं, यह अब भी जांच के अधीन है। उन्होंने कहा कि गलत तरीके से लाभ प्राप्त करने के लिए बिना परीक्षण के ऑक्सीजन सांद्रक बेचने, महामारी के कारण हुए संकट व ऑक्सीजन की आपूर्ति की घोर कमी का अनुचित लाभ उठाने तथा जरुरतमंद लोगों को अपनी गाढ़ी कमाई से अर्जित पैसा निकालने के लिए मजबूर करने के आरोपों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। महामारी के समय इस लाभ का अंतर बहुत अधिक था। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि याचिकाकर्ता को जांच पूरी होने के बाद उपयुक्त मंच पर जाने की छूट है। उसकी सभी दलीलें बाद में विचार के लिए खुली रखी गई हैं।

प्राथमिकी मई 2021 में दर्ज की गई थी। उसमें दिल्ली पुलिस ने आरोप लगाया था कि उसे लोधी कॉलोनी के एक रेस्तरां में थर्मल स्कैनर और मास्क के साथ नौ लीटर और पांच लीटर की क्षमता के ऑक्सीजन सांद्रक वाले 32 बक्से मिले हैं। जांच में पता चला कि आरोपियों ने कथित तौर पर विभिन्न माध्यमों से ऑक्सीजन सांद्रक और कोरोना इलाज संबंधी अन्य उपकरण खरीदे और उन्हें अत्यधिक कीमतों पर बेचा।

नशेड़ी व अराजक तत्वों का अड्डा बना फुटओवर ब्रिज

नई दिल्ली (एसएनबी)। करोड़ों रुपए की लागत से मधु विहार बस स्टैंड तथा द्वारका सेक्टर-5 के पास डीडीए के फुटओवर ब्रिज उदासीन नमूने की हालत में रह गया है। जनता की सुविधा एवं सड़क दुर्घटना से बचने के लिए इसे बनाया गया था, वह नहीं पा रहा है। दिव्यांगजनों, स्कूली बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों व राहगीरों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

फेडरेशन ऑफ साउथ वेस्ट डिस्ट्रिक्ट वेलफेयर फोरम के चेयरमैन रणबीर सिंह सोलंकी ने बताया कि द्वारका एवं पालम विधानसभा में डीडीए को चार फुटओवर ब्रिज का निर्माण करना था। प्रत्येक की लागत लगभग तीन करोड़ आई थी। काफी अर्से बाद फुटओवर ब्रिज का निर्माण हुआ था। अब आलम यह है कि इसका पूरा ढांचा धूल फांक रहा है। शाम ढलते ही यह नशेड़ी, गंजेड़ी अवांछित तत्वों का अड्डा बन गया है। उद्घाटन के मात्र तीन दिनों तक ही इसकी लिफ्ट चली, फिर बंद हो गई। डीडीए में शिकायत करने पर कुछ दिन लिफ्ट चली, लेकिन उसके बाद फिर बंद पड़ी है। सोलंकी ने उपराज्यपाल, सांसदों, मुख्यमंत्री एवं डीडीए उपाध्यक्ष से मांग की है कि इन फुटओवर ब्रिज का संचालन सुचारू रूप से हो। इसके लिए तत्काल देखरेख सुनिश्चित कराई जाए।

- दिव्यांगजनों, स्कूली बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों व राहगीरों को मुश्किलों का करना पड़ रहा सामना

जेल में टेलीफोन सुविधा व ई-मुलाकात देने के मामले में एनआईए से जवाब तलब

नई दिल्ली (एसएनबी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने कश्मीरी अलगाववादी नेता शब्बीर अहमद शाह को हिरासत में टेलीफोन सुविधा बहाल करने की मांग एनआईए से जवाब मांगा है। न्यायमूर्ति जसमीत सिंह ने इस मामले में एनआईए को चार सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने को कहा और सुनवाई 13 फरवरी के लिए स्थगित कर दी है। शाह आतंकवादियों को धन मुहैया कराने के मामले में तिहाड़ जेल में बंद हैं। उसके खिलाफ एनआईए ने मामला दर्ज किया था। उसने तिहाड़ जेल में टेलीफोन और ई-मुलाकात सुविधा का लाभ उठाने के लिए जांच एजेंसी से एनओसी लेने की शर्त वाली परिपत्र को चुनौती दी है। एनओसी नहीं मिलने की वजह से उक्त सेवा रोक दिए जाने को शाह ने हाईकोर्ट में चुनौती दी है।

सीवर में जहरीली गैस सफाईकर्मियों के लिए जानलेवा

- दिल्ली की वायु में जहर से सीवर की सफाई कर्मचारियों के लिए खतरे की घंटी
- सीवर में जहरीली गैस मीथेन और अमोनिया की बढ़ जाती है मात्रा
- वायु प्रदूषण अधिक होने पर जहरीली गैस का बढ़ता है उच्च स्तर
- चार साल के दौरान करीब 200 से अधिक सीवर कर्मचारियों की हुई मौत

भरत पांडेय

नई दिल्ली। एसएनबी

दिल्ली की आबोहवा जहरीली है और इससे दिल्ली सीवर लाइन में काम करते वाले कर्मचारियों की जान पर कभी भी आफत आ सकती है। वायु प्रदूषण से सीवर लाइन की जहरीली गैस खतरनाक होने से इस बात को बल मिलता है कि सफाईकर्मियों को इस दौरान सीवर लाइन में कार्य करने से दूरी बनानी चाहिए। अगर इस स्थिति में सीवर में सफाई का कार्य करने पर जहरीली गैस का उच्च स्तर उनके लिए घातक साबित होगा।

दिल्ली जल बोर्ड मजदूर यूनियन ने आशंका जाहिर की है कि सीवर में जहरीली गैस मीथेन और अमोनिया अधिक वायु प्रदूषण के चलते कभी भी जानलेवा बन सकती है। हालांकि,हर साल सीवर में करीब एक दर्जन से अधिक कर्मचारियों की मौत होने के बाद भी जल बोर्ड ने इस खतरनाक मौसम में भी सफाईकर्मियों को सीवर में उतारने से मना नहीं किया है। लिहाजा सीवर कार्य में जुटे एक हजार से अधिक कर्मचारी भय और दहशत के बीच कार्य करने को मजबूर हैं। आशंका जताई गई है कि यमुना में जल प्रदूषण और दिल्ली में वायु प्रदूषण के चलते सभी सीवर कर्मचारियों की जान पर खतरा मंडराने लगा है। बताया जाता है कि चार साल के अंतराल में तकरीबन 200 से अधिक सफाईकर्मियों की मौत सीवर सफाई के दौरान हुई है। दिल्ली जल बोर्ड में सबसे अधिक मौतें इस विभाग के कर्मचारियों की हुई है।

विशेषज्ञों का कहना है कि सीवर कार्य करने वाले कर्मचारियों को खराब हुई आबोहवा में काम करने से परहेज करना चाहिए। इसमें कार्य करने से मौत का भी अंदेशा है। जल बोर्ड मजदूर संघ के अध्यक्ष राम अवतार गौड़ का कहना है कि दिल्ली में वायु प्रदूषण खतरनाक होने के चलते सीवर में काम करनेवाले कर्मियों के लिए जानलेवा बनने का खतरा अधिक है। उच्चाधिकारियों का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराया है। जल बोर्ड के उपाध्यक्ष विनय मिश्रा का कहना है कि दिल्ली में अधिक वायु प्रदूषण होने के चलते सभी कर्मचारियों को सावधानी बरतते हुए कार्य करना का आदेश है।

दिल्ली में 50 हजार से अधिक सीवर कर्मचारी की जरूरत : दिल्ली में सीवर व्यवस्था के सुचारू संचालन के लिए दिल्ली में तकरीबन 50 हजार से अधिक सफाईकर्मियों की जरूरत है। अभी सीवर कार्य करनेवाले कर्मचारियों की संख्या करीब चार हजार से अधिक है। हर साल कर्मचारियों की लगातार मौत होने से कर्मचारियों की संख्या लगातार कम हुई है। चिंता की बात है कि जहरीली गैस के दुष्प्रभाव से मरनेवाले कर्मचारियों के बाद कोई भी कर्मचारी इस खतरनाक कार्य को नहीं करना चाहता है।

सीवर में जहरीली गैस का बढ़ता स्तर

जब वायु प्रदूषण का स्तर अधिक होता है तो सीवर के भीतर स्थित जहरीली गैस का स्तर पहले से अधिक हो जाता है। गैस का आंशिक अंश भी वायु मंडल में नहीं जा पाती है। सीवर के अंदर ही गैस का स्तर तेजी से बढ़ता है। जब सीवर के अंदर कर्मचारी उतरते है तो पहले से अधिक खतरनाक स्थिति में उन्हें कार्य करना होगा। एक कर्मचारी ने नाम न उजागर करने पर बताया कि घटनाओं से सबक लेने के साथ ही घातक बने मौसम में एहतियात बरतने की जरूरत है।

सीवर में मौत के आंकड़े

- 24 नवम्बर 2019 को उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के शकूरपुर में सीवर की सफाई के दौरान एक सफाईकर्मी की मौत समेत तीन अन्य बेहोश हो गए।
- 3 फरवरी 2020 को कड़कड़डूमा इलाके में सफाई करने गए एक कर्मी की मौत हो गई।
- 26 मार्च 2021 को पूर्वी दिल्ली के पटपड़गंज औद्योगिक क्षेत्र सीवर में सफाई करने के दौरान दो लोगों की मौत हो गई।
- 23 मार्च 2022 को तुगलक रोड इलाके में एमटीएनएल का केबल चोरी करने के इरादे से घुसे दो युवकों की मौत। दोनों युवक सीवर के अंदर बेहोश हालत में मिले।
- 8 अक्टूबर 2024 को सरोजनी नगर में एक कंस्ट्रक्शन साइट पर सीवर सफाई के दौरान दो मजदूरों की मौत हो गई।

भारत-गुयाना को जोड़ती हैं संस्कृति, खान-पान और क्रिकेट

जॉर्जटाउन (भाषा)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि संस्कृति, खान-पान तथा क्रिकेट भारत और गुयाना को गहराई से जोड़ते हैं और ये समानताएं दोनों देशों के बीच मित्रता का मजबूत आधार हैं। प्रधानमंत्री ने गुयाना में बृहस्पतिवार को एक सामुदायिक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भारतीय-गुयाना समुदाय की सराहना की और कैरेबियाई राष्ट्र के विकास में उसके योगदान की प्रशंसा की।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दोनों देशों के साझा मूल्य मित्रता के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करते हैं। विशेष रूप से तीन चीजें- संस्कृति, खानपान और क्रिकेट भारत व गुयाना को गहराई से जोड़ती है। उन्होंने कहा, हम विविधता को केवल समायोजित करने के नहीं, बल्कि जश्न मनाने के आधार के रूप में देखते है। हमारे देश ये दिखाते है कि सांस्कृतिक विविधता किस प्रकार हमारी ताकत है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारतीय-गुयाना समुदाय की भोजन संबंधी एक अनूठी परंपरा है जिसमें भारतीय और गुयाना दोनों तत्वों का मिश्रण है। क्रिकेट के प्रति प्रेम भी हमारे देशों को आपस में जोड़ता है। यह सिर्फ एक खेल नहीं है। यह जीवन जीने का एक तरीका है जो हमारी राष्ट्रीय पहचान में गहराई से समाया हुआ है। हमारे कई क्रिकेट प्रशंसकों ने इस वर्ष आपके द्वारा आयोजित टी-20 विश्व कप का आनंद लिया। गुयाना में 'टीम इन ब्लू' के मैच के दौरान आपके उत्साह को भारत में भी सुना जा सकता था। उन्होंने भारतीय-गुयाना समुदाय की सराहना करते हुए कहा , आपने स्वतंत्रता और लोकतंत्र के लिए लड़ाई लड़ी है।

प्रधानमंत्री मोदी ने दोनों देशों की समानताओं को बताया मित्रता का मजबूत आधार

आपने गुयाना को सबसे तेजी से विकसित होती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनाने के लिए काम किया है। प्रवासी समुदाय को राष्ट्रदूत बताते हुए मोदी ने कहा कि वे भारतीय संस्कृति और मूल्यों के राजदूत हैं। प्रधानमंत्री ने इस बात पर बल दिया कि भारत-गुयाना समुदाय का यह दोहरा सौभाग्य है कि गुयाना उसकी मातृभूमि और भारत माता उसकी पैतृक भूमि है। प्रधानमंत्री मोदी ने दो दशक पहले की गुयाना की अपनी यात्रा को याद करते हुए कहा कि वह एक जिज्ञासु यात्री के तौर पर देश आए थे। उन्होंने कहा कि तब से अब तक बहुत कुछ बदल गया है लेकिन गुयाना के मेरे भाइयों और बहनों का प्रेम और स्नेह वैसा ही है। मोदी ने भारत और गुयाना को जोड़ने वाले साझा इतिहास पर भी प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री बुधवार को गुयाना पहुंचे जो 50 वर्षो से अधिक समय में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की इस कैरेबियाई देश की पहली यात्रा है। प्रधानमंत्री मोदी को गुयाना के राष्ट्रपति इरफान अली ने देश का सर्वोच्च पुरस्कार 'द ऑर्डर ऑफ एक्सीलेंस' प्रदान किया।

मोदी ने 31 द्विपक्षीय बैठकों और अनौपचारिक वार्ताओं में भाग लिया

नई दिल्ली (भाषा)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीन देशों की अपनी पांच दिवसीय यात्रा के दौरान विश्व नेताओं के साथ 31 द्विपक्षीय बैठकों और अनौपचारिक बातचीत में भाग लिया। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इन राजनयिक बैठकों में नाइजीरिया में वहां के राष्ट्रपति के साथ द्विपक्षीय बैठक, ब्राजील में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान 10 द्विपक्षीय बैठक तथा मोदी की गुयाना यात्रा के दौरान हुई नौ द्विपक्षीय बैठकें शामिल थीं। ब्राजील में मोदी ने इस देश के नेताओं के अलावा इंडोनेशिया, पुर्तगाल, इटली, नॉर्वे, फ्रांस, ब्रिटेन, चिली, अर्जेंटीना और ऑस्ट्रेलिया के नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं। अधिकारियों ने बताया कि इंडोनेशिया के नेता प्रबोवो सुबियांटो, पुर्तगाल के लुइस मोंटेनेग्रो, ब्रिटेन के केअर स्टॉर्मर, चिली के गेब्रियल बोरिक और अर्जेंटीना के जेवियर माइली के साथ उनकी पहली द्विपक्षीय बैठकें हुईं। मोदी ने ब्राजील में सिंगापुर, दक्षिण कोरिया, मिस्र, अमेरिका और स्पेन के नेताओं और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुखों और कार्यपालकों के साथ अनौपचारिक बातचीत और अलग-अलग बैठकें कीं। इनमें यूरोपीय संघ की उर्सुला वॉन डेर लेयेन; संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंतोनियो गुतेरेस, विश्व व्यापार संगठन की नगोजी ओकोन्जो-इवेला, विश्व स्वास्थ्य संगठन के टेड्रोस अधनोम घेब्रेयेसस और अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष की क्रिस्टलीना जॉर्जीवा और गीता गोपीनाथ के साथ मुलाकात शामिल है। अधिकारियों ने बताया कि गुयाना में मोदी ने गुयाना, डोमिनिका, बहामास, त्रिनिदाद और टोबैगो, सूरीनाम, बारबाडोस, एंटीगुआ और बारबुडा, ग्रेनेडा और सेंट लूसिया के नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं।

राष्ट्र प्रथम की भावना भारत की प्रगति की कुंजी : मुर्मु

हैदराबाद (भाषा)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने देश को विकसित देश बनाने के लिए शुक्रवार को लोगों के बीच राष्ट्र प्रथम की भावना पैदा करने के महत्व पर जोर दिया। मुर्मू यहां राष्ट्रवादी विचारकों की एक संगोष्ठी, 'लोकमंथन-2024' के उद्घाटन के अवसर पर सभा को संबोधित कर रही थीं।

राष्ट्रपति ने कहा कि औपनिवेशिक शासकों ने न केवल भारत का आर्थिक शोषण किया बल्कि इसके सामाजिक ताने-बाने को भी नष्ट करने का प्रयास किया। औपनिवेशिक शासकों ने हमारी समृद्ध बौद्धिक परंपराओं की उपेक्षा की, उन्होंने नागरिकों में सांस्कृतिक हीनता की भावना पैदा की।

हमारी एकता को कमजोर करने के लिए ऐसी प्रथाएं हम पर थोपी गईं। सदियों की पराधीनता ने नागरिकों को गुलामी की मानसिकता में पहुंचा दिया। विकसित भारत के लिए 'राष्ट्र प्रथम' की भावना पैदा करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि भारतीय समाज को विभाजित करने और कृत्रिम मतभेद पैदा करने के प्रयासों का उद्देश्य एकता को कमजोर करना था। हालांकि, उन्होंने कहा कि भारतीयता की भावना ने राष्ट्रीय एकता की लौ को जीवित रखा है।

इस कार्यक्रम में तेलंगाना के राज्यपाल विष्णु देव वर्मा, केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी किशन रेड्डी, तेलंगाना महिला और बाल कल्याण मंत्री डी अनसूया और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत शामिल हुए।

संक्षिप्त खबरें

स्पेसएक्स ने अंतरिक्ष में 24 स्टारलिंक उपग्रह प्रक्षेपित किए

लॉस एंजिल्स। अमेरिका की निजी अंतरिक्ष कंपनी स्पेसएक्स ने 24 स्टारलिंक उपग्रहों को कक्षा में प्रक्षेपित किया। स्पेसएक्स के अनुसार उपग्रहों को फ्लोरिडा के केप कैनवेरल स्पेस फोर्स स्टेशन से फाल्कन 9 रॉकेट के जरिए पूर्वी समय मंडल यानी अमेरिका के साथ पूर्वी राज्यों, पूर्वी कनाडा के कुछ हिस्सों और मेक्सिको के कविनताना राज्य, मध्य अमेरिका में पनामा और कैरिबियाई द्वीपों में इस्तेमाल होने वाले समय के अनुसार सुबह 11: 07 बजे प्रक्षेपित किया गया। स्पेसएक्स ने बाद में 24 उपग्रहों की तैनाती की पुष्टि की। स्पेसएक्स के अनुसार, स्टारलिंक उन स्थानों पर हाई-स्पीड ब्रॉडबैंड इंटरनेट उपलब्ध कराएगा, जहां पहुंच अविश्वसनीय, महंगी या पूरी तरह अनुपलब्ध है।

रूस ने तैनात किए बैलिस्टिक मिसाइल

कीव। रूस के बैलिस्टिक मिसाइल तैनात करने के कारण युद्ध के और भड़कने की आशंका के बीच यूक्रेन की संसद ने शुक्रवार को अपना सत्र रद्द कर दिया। यूक्रेन के तीन सांसदों ने पुष्टि की है कि शहर के केंद्र में सरकारी भवनों पर रूसी मिसाइल हमलों के खतरे के कारण पहले से निर्धारित संसदीय सत्र रद्द कर दिया गया है। सांसद मायकीता पोतुरायेव ने कहा कि न केवल संसद बंद है, बल्कि उसके आसपास सभी वाणिज्यिक कार्यालयों और गैर सरकारी संगठनों के काम को सीमित करने की भी सिफारिश की गई है और लोगो को खतरे के बारे में चेतावनी दी गई है।

चेक गणराज्य : गैस रिसाव के बाद 150 को निकाला गया

प्राग। चेक गणराज्य के प्राग शहर में गैस रिसाव में फंसे लगभग 150 लोगों को निकाला गया है। पुलिस और बचाव दल ने इस खबर की पुष्टि की है। पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा,'गैस रिसाव के कारण प्राग 1 में ओपाटोविका स्ट्रीट बंद हो गई। छह इमारतों से 150 लोगों को निकाला गया। गौरतलब है कि गैस रिसाव गुरुवार तड़के हुआ, स्थानीय चिकित्सा बचाव सेवाओं ने शाम सात बजे के तुरंत बाद सूचना दी। किसी के घायल होने की खबर नहीं है।

मोदी को आपराधिक गतिविधियों से जोड़ने वाली रिपोर्ट अटकलबाजी

ओटावा (भाषा)। कनाडा सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, विदेश मंत्री एस जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल को सिख अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की कथित साजिश समेत कनाडा में आपराधिक गतिविधियों से जोड़ने वाली मीडिया रिपोर्ट को खारिज कर इसे अटकलबाजी और गलत बताया। कनाडा के प्रधानमंत्री की राष्ट्रीय सुरक्षा एवं खुफिया सलाहकार नैथाली जी ड्रोइन ने बृहस्पतिवार को इस रिपोर्ट का खंडन किया। इससे एक दिन पहले भारत ने कनाडाई मीडिया की इस रिपोर्ट को बदनाम करने वाला अभियान करार देते हुए इसकी कड़ी भर्त्सना की थी।

'द ग्लोब एंड मेल' अखबार ने एक अनाम वरिष्ठ राष्ट्रीय सुरक्षा अधिकारी के हवाले से मंगलवार को कहा था कि कनाडाई सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि प्रधानमंत्री मोदी निज्जर की हत्या और अन्य हिंसक साजिशों के बारे में जानते थे। अखबार के अनुसार, अधिकारी ने कहा कि कनाडाई और अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने हत्या के अभियानों को गृह मंत्री अमित शाह से जोड़ा है और डोभाल एवं जयशंकर भी इनसे अवगत थे। ड्रोइन ने 'प्रिवी काउंसिल' कार्यालय की ओर बृहस्पतिवार को कहा, 14 अक्टूबर को, सार्वजनिक सुरक्षा के लिए एक बड़े खतरे के कारण आरसीएमपी और अधिकारियों ने भारत सरकार के एजेंटों द्वारा कनाडा में की गई गंभीर आपराधिक गतिविधियों के बारे में सार्वजनिक रूप से आरोप लगाने का असाधारण कदम उठाया। उन्होंने कहा, हालांकि कनाडा सरकार ने प्रधानमंत्री मोदी, मंत्री जयशंकर या एनएसए डोभाल को कनाडा के भीतर गंभीर आपराधिक गतिविधि से जोड़ने वाले सबूतों के बारे में कुछ नहीं कहा है और न ही उसे इसकी जानकारी है। इसके विपरीत की जा रही हर बात अटकलबाजी और गलत है। रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस' (आरसीएमपी) आयुक्त माइक डुहेम ने 14 अक्टूबर को भारतीय सरकार के एजेंट से जुड़े सार्वजनिक सुरक्षा से संबंधित खतरे, व्यापक हिंसा और हत्याओं के संबंध में सचेत किया था। डुहेम के यह जानकारी देने के कुछ घंटों बाद कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा था, मेरा मानना है कि भारत ने कनाडाई लोगों पर हमला करने, उन्हें अपने घर में असुरक्षित महसूस कराने और हिंसा एवं यहां तक कि हत्या की वारदातों को अंजाम देने के लिए अपने राजनयिकों और संगठित अपराध का इस्तेमाल का चुनाव कर एक बड़ी गलती की है। यह अस्वीकार्य है। कनाडा के उप विदेश मंत्री डेविड मॉरिसन ने 26 अक्टूबर को आरोप लगाया था कि गृह मंत्री अमित शाह ने कनाडा में रह रहे सिख अलगाववादियों को निशाना बनाकर हिंसा करने, धमकाने और खुफिया जानकारी जुटाने का अभियान चलाने का आदेश दिया है।

कनाडा के पीएम की राष्ट्रीय सुरक्षा एवं खुफिया सलाहकार नैथाली जी ड्रोइन ने मीडिया में आई खबरों को बताया गलत

क्लाइमेंट चेंज, वित्तीय मदद पर विकसित देशों ने साधी चुप्पी

बाकू (भाषा)।

बाकू में हुए संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन में दो सप्ताह तक चली गहन वार्ता के बाद, जलवायु परिवर्तन से लड़ने में विकासशील देशों की मदद करने के लिए आवश्यक खरबों डॉलर की राशि की स्पष्टता पर कोई अंतिम निर्णय नहीं हुआ है। मसौदे में इस राशि के स्थान पर कोष्ठक में 'एक्स' लिखा हुआ दिखाई दे रहा है। जीवाश्म ईंधन पर अपनी अर्थव्यवस्थाओं का निर्माण करने वाले और जलवायु परिवर्तन के लिए जिम्मेदार ग्रीनहाउस गैस का सबसे अधिक उत्सर्जन करने वाले विकसित देश इस महत्वपूर्ण प्रश्न का सवाल देने से अब भी बच रहे है कि 2025 से वे विकासशील देशों को जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए प्रत्येक वर्ष कितनी वित्तीय मदद प्रदान करेंगे?

संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन में विकसित देशों को प्रति वर्ष 1.3 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की मदद का लक्ष्य तय करना था ताकि जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभावों के बीच विकासशील देशों की आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके।

इस 1.3 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर में से 600 अरब अमेरिकी डॉलर विकसित देशों के सरकारी कोष से मिलने चाहिए क्योंकि विकासशील देश निजी क्षेत्र पर निर्भर रहने के विचार को अस्वीकार करते हैं। उनका तर्क है कि निजी क्षेत्र जवाबदेही की तुलना में लाभ में अधिक रुचि रखता है। दुनियाभर के देश सम्मेलन के अंतिम दिन मसौदे के ऐसे नए स्वीकार्य संस्करण की प्रतीक्षा कर रहे हैं जिसे संतुलित परिणाम प्राप्त करने के लिए परिष्कृत किया जा सके। 'ग्लोबल साउथ' ने जिस राशि की उम्मीद की थी, बृहस्पतिवार को जारी किए गए नए जलवायु वित्त पैकेज के प्रारूप में उसके स्थान पर कोष्ठक में 'एक्स' लिखा है।

इससे विकासशील देश निराश और आक्रोशित है क्योंकि इस 'एक्स' का स्थान लेने वाली चीज जलवायु संकट की मार झेलने के मामले में अग्रिम पंक्ति में खड़े विश्व के सबसे गरीब और सबसे कमजोर देशों के लिए अस्तित्व का सवाल बन गई है। जलवायु कार्यकर्ता और जीवाश्म ईंधन अप्रसार संधि पहल के लिए वैश्विक सहभागिता निदेशक हरजीत सिंह ने कहा कि विकसित देश सही इरादे से वार्ता नहीं कर रहे, वे अपनी जिम्मेदारी से बच रहे है और वित्तीय बोझ को संघर्षरत अर्थव्यवस्थाओं पर डाल रहे है।

भारत ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह विकासशील देशों के लिए जलवायु वित्त से ध्यान हटाकर 'ग्लोबल साउथ' में उत्सर्जन में कमी लाने पर ध्यान केंद्रित करने के विकसित देशों के किसी भी प्रयास को स्वीकार नहीं करेगा। 'ग्लोबल साउथ' का संदर्भ आर्थिक रूप से कमजोर या विकासशील देशों के लिए दिया जाता है। भारत ने कहा कि वित्त, प्रौद्योगिकी और क्षमता निर्माण के संदर्भ में पर्याप्त सहयोग के बिना जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई गंभीर रूप से प्रभावित होगी।

सीओपी 29

संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन में दो सप्ताह तक चली गहन वार्ता के बाद भी नहीं हुआ निर्णय

विकसित देशों को प्रति वर्ष 1.3 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की मदद का लक्ष्य करना है तय

लेबनान में इस्राइली हवाई हमले में 47 की मौत

बेरुत (वार्ता)। पूर्वी लेबनान के बालबेक-हर्मेल प्रांत में इस्राइल की ओर से किए गए हवाई हमलों में 47 लोग मारे गए और 22 अन्य घायल हुए हैं। बालबेक-हर्मेल प्रांत के गवर्नर बशीर खोडर ने बताया कि प्रांत के विभिन्न शहरों और गांवों में हुए हवाई हमलों में लोग हताहत हुए हैं। उन्होंने कहा कि बचाव दल अभी भी नष्ट हुए घरों के मलबे से लापता लोगों की तलाश कर रहे हैं। लेबनानी सैन्य सूत्रों ने शन्हुआ को बताया कि इस्राइली सेना ने गुरुवार को दक्षिणी और पूर्वी लेबनान में 48 हवाई हमले किए। इसके साथ ही दक्षिणी लेबनान के 18 सीमावर्ती शहरों और गांवों में लगभग 100 गोले दागे। इस बीच, हिज्बुल्लाह ने कहा कि उसके लड़ाकों ने मिसाइलों से मध्य इस्राइल पर हमला किया है। मिसाइलों ने हतोर एयर बेस को निशाना बनाया। यह एयर बेस लेबनानी सीमा से 150 किलोमीटर दूर और किबुत हतोर अशदोद के पास मध्य इस्राइल में स्थित है। इसमें युद्धक विमानों के स्क्वाड्रन हैं। इस बीच हिज्बुल्लाह ने दक्षिणी लेबनान और उत्तरी इस्राइल में विभिन्न स्थलों पर मिसाइल बैराज के साथ इस्राइल सैन्य जमावड़ों को भी निशाना बनाया।

हमास ने उत्तरी गाजा में 15 इस्राइली सैनिकों की हत्या का किया दावा

गाजा (वार्ता)। हमास की सैन्य शाखा अल-कस्साम ब्रिगेड ने कहा है कि उसके लड़ाकों ने उत्तरी गाजा के बेत लाहिया शहर में 15 इस्राइली सैनिकों को मार गिराया है। अल-कस्साम ब्रिगेड ने कहा कि उसके लड़ाकों ने 15 सैनिकों की इस्राइली पैदल सेना इकाई से मुठभेड़ की और उन्हें करीब से मार गिराया। अल-कस्साम ब्रिगेड ने घोषणा की कि उसने उत्तरी गाजा में जबालिया कैंप के पश्चिम में सफतवी क्षेत्र के पास इस्राइलीा टैंक को टेंडम शेल से निशाना बनाया है।

चीन नौ और देशों के नागरिकों को देगा वीजा-मुक्त प्रवेश

बीजिंग (एपी)। चीन ने अपनी सुस्त पड़ी अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करने के लिए पर्यटन और व्यावसायिक यात्रा को बढ़ावा देने के मकसद से नौ अन्य देशों के नागरिकों को वीजा-मुक्त प्रवेश देने की शुक्रवार को घोषणा की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने बताया कि 30 नवंबर से बुल्गारिया, रोमानिया, माल्टा, क्रोएशिया, मोंटेनेग्रो, उत्तरी मैसेडोनिया, एस्टोनिया, लातविया और जापान के यात्री बिना वीजा के 30 दिनों तक चीन में रह सकेंगे। इसके साथ ही पिछले वर्ष से जिन देशों को वीजा-मुक्त योजना में शामिल किया गया है उनकी संख्या 38 हो जाएगी। पहले केवल तीन देशों को वीजा-मुक्त प्रवेश की इजाजत थी लेकिन कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौरान यह योजना समाप्त कर दी गई थी। लिन ने कहा कि वीजा-मुक्त प्रवेश के दौरान पहले चीन में केवल 15 दिन रहने की अनुमति थी, जिसे बढ़ाया जा रहा है।

सरकारी कर्मियों को प्रदर्शन से दूर रहने की चेतावनी

जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी ने रविवार को किया है मार्च का आह्वान

पेशावर (भाषा)। पाकिस्तान के उत्तर पश्चिम खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सरकारी कर्मचारियों को आधिकारिक रूप से चेतावनी जारी कर कहा गया है कि वे जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी द्वारा रविवार को प्रस्तावित प्रदर्शन में हिस्सा नहीं लें और सरकारी मशीनरी का इस्तेमाल नहीं करें, वरना उन्हें इसके लिए गंभीर नतीजे भुगतने होंगे। गृह मंत्रालय ने खैबर पख्तूनख्वा (केपी) के मुख्य सचिव को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि राज्य मशीनरी, उपकरण, अधिकारी और धन का उपयोग राजनीतिक दल द्वारा राजनीतिक विरोध के लिए नहीं किया जाना चाहिए।

इमरान खान की कट्टर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) संघीय स्तर पर गठबंधन का नेतृत्व करती है, जबकि उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ (पीटीआई) का खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शासन है। आधिकारिक पत्र अक्टूबर में पीटीआई द्वारा किए गए पिछले विरोध के मद्देनजर जारी किए गए थे, जब अली अमीन गंडापुर के नेतृत्व वाली पीटीआई नीत सरकार द्वारा प्रांत के सरकारी संसाधनों और जनशक्ति का व्यापक इस्तेमाल किया गया था। पीटीआई ने पिछले सप्ताह तीन मांगों को लेकर इस्लामाबाद तक एक लंबे मार्च का आह्वान किया है। इन मांगों में जेल में बंद पार्टी संस्थापक की रिहाई, आठ फरवरी के चुनावों के दौरान कथित जनादेश की चोरी और संविधान के हाल के 26वें संशोधन को रद्द करके न्यायपालिका की बहाली शामिल है।

14 देशों के इन्फल्यूंसर करेंगे पूर्वोत्तर को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर स्थापित

संजय टुटेजा

नई दिल्ली। एसएनबी

विश्व के 14 देशों के इन्फल्यूंसर पूर्वोत्तर में वैश्विक सैलानियों को आकर्षित करेंगे और पूर्वोत्तर के आठ राज्योंको वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करेंगे। यह इन्फल्यूंसर पूर्वोत्तर के राज्यों के पर्यटन स्थलों, पूर्वोत्तर की खूबसूरती तथा पूर्वोत्तर के नायाब आकर्षण को वैश्विक स्तर पर फैलाकर विश्व भर के सैलानियों के लिए पूर्वोत्तर के द्वार खोलेंगे। इस पहल से पूर्वोत्तर में पर्यटन तो बढ़ेगा ही साथ ही पूर्वोत्तर में पर्यटन आधारित उद्योगों व रोजगार के अवसर भी खुलेंगे।

केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय व असम सरकार द्वारा 26 से 29 नवम्बर तक असम के काजीरंगा में अंतराष्ट्रीय पर्यटन मार्ट आयोजित किया जा रहा है। इस पर्यटन मार्ट का प्रमुख उद्देश्य घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को पूर्वोत्तर क्षेत्र की पर्यटन क्षमता व संभावनाओं से अवगत कराने के साथ साथ सैलानियों को पूर्वोत्तर की ओर आकर्षित करना है। इस कार्यक्रम की खासियत यह है कि पूर्वोत्तर की खूबसूरती व पूर्वोत्तर के नायाब पर्यटन स्थलों से वैश्विक पर्यटकों को अवगत कराने के लिये केन्द्रीय पर्यटन मंत्रालय ने विश्व के अनेक देशो से जहां पर्यटन उद्यमियों, पर्यटन एजेंसियों के अलावा 14 देशों से ऐसे इन्फल्यूंसर आमंत्रित किये हैं जो सेलानियों को प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं।

26 से 29 तक काजीरंगा में होगा अंतराष्ट्रीय पर्यटन मार्ट

पर्यटन महानिदेशक श्रीमती मुग्धा सिन्हा के अनुसार जिन देशों से इन्फल्यूसंर इस अंतराष्ट्रीय पर्यटन मार्ट में आमंत्रित किए गए हैं उनमें थाईलेंड, वियेतनाम, म्यमांर, सिंगापुर, मलयेशिया, इंडोनेशिया आदि प्रमुख रूप से शामिल हैं, इनक अलावा भारत में भी सोशल मीडिया के माध्यम से जनमानस की सोच को प्रभावित करने वाले अनेक इन्फल्यूंसर इस पर्यटन मार्ट में आमंत्रित किए गए हैं। पूर्वोत्तर में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं, अंतराष्ट्रीय पर्यटन मार्ट का उददेश्य पूर्वोत्तर में पर्यटन की संभावनाओ व क्षमताओ को उजागर करना है। यह पर्यटन मार्ट आठ पूर्वोत्तर राज्यों- असम, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, त्रिपुरा और सिक्किम के पर्यटन व्यवसायों और उद्यमियों को एक मंच पर लाएगा, ताकि खरीदारों, विक्रेताओं, मीडिया, सरकारी एजेंसियों और अन्य पर्यटन से जुड़े उद्यमियों में सहयोग और बातचीत को बढ़ावा दिया जा सके।

उन्होंने कहा, काजीरंगा विविध स्थलाकृति, समृद्ध वनस्पतियों और जीवों, जीवंत जातीय समुदायों, प्राचीन परंपराओं, त्योहारों और प्रचुर कला और शिल्प के लिए प्रसिद्ध है, इसके अलावा काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान यूनेस्को स्थल है और इस वर्ष यूनेस्को स्थल के रूप में अपने 50 वर्ष पूरे कर रहा है। इस उद्यान में अन्य वन्य जीव जंतुओं के अलावा राजसी एक सींग वाले गैंडे के आवास के रूप में इस उद्यान का आकर्षण अत्यंत महत्वपूर्ण है, यही कारण है कि आईटीएम का आयोजन काजीरंगा मे किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ में शुरू होगी 'मुख्यमंत्री गुड गवर्नेंस फेलो योजना'

पब्लिक पॉलिसी एंड गवर्नेंस में मास्टर पाठ्यक्रम होगा शुरू

रायपुर (एसएनबी)। छत्तीसगढ़ सरकार आईआईएम रायपुर के साथ मिलकर राज्य के मूलनिवासी छात्रों के लिए पब्लिक पॉलिसी एंड गवर्नेंस में मास्टर पाठ्यक्रम शुरू करेगी। इसके लिए छात्रों का चयन कैट के माध्यम से किया जाएगा। प्रदेश में 'मुख्यमंत्री गुड गवर्नेंस फेलो योजना' भी शुरू की जाएगी।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रायपुर में 'गुड गवर्नेंस' पर दो दिवसीय क्षेत्रीय सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित करते हुए करते हुए यह घोषणा की। साय ने कहा, इस योजना के तहत आईआईएम रायपुर में कक्षाओं के साथ-साथ छात्रों को छत्तीसगढ़ शासन के विभिन्न विभागों में व्यवहारिक अनुभव भी दिया जाएगा। पाठ्यक्रम की पूरी फीस राज्य सरकार वहन करेगी, साथ ही छात्रों को निर्धारित मासिक छात्रवृत्ति प्रदान करेगी। यह योजना शासन में दक्षता और पारदर्शिता बढ़ाने के साथ-साथ राज्य के युवाओं को उच्चस्तरीय शिक्षा और प्रायोगिक अनुभव का अवसर प्रदान करेगी। इसका उद्देश्य छत्तीसगढ़ में पेशेवरों की एक ऐसी पीढ़ी तैयार करना है जो सरकार, एनजीओ, थिंक टैंक और निजी क्षेत्र के साथ मिलकर गवर्नेंस को बेहतर बनाने के क्षेत्र में काम करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा, हमने अपनी नई उद्योग नीति लांच की है, इसमें पर्यटन के विकास को भी प्रोत्साहित किया गया है। बस्तर जैसे जनजातीय क्षेत्रों में उद्योगों के लिए जमीन की उपलब्धता एक चुनौती होती है। ऐसे में इन क्षेत्रों का प्राकृतिक और सांस्कृतिक सौंदर्य वहां के लिए एक बड़ी आर्थिक ताकत बनेगा। रोजगार और आय में बढ़ोतरी के अवसर निर्मित होंगे। लोगों का जीवन स्तर ऊंचा उठेगा। राज्य में हम एक बड़े टूरिज्म सर्किट के निर्माण की दिशा में काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, हमारा विशेष फोकस बस्तर और सरगुजा जैसे जनजातीय क्षेत्रों पर है। हम इन स्थलों पर पर्यटकों के लिए सुविधाओं का विकास करने के साथ-साथ मूलभूत अधोसंरचनात्मक विकास भी कर रहे हैं।

संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन ने हाल ही में बस्तर के कांगेर वेली के गांव धुड़मारास को सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्राम के रूप में विकसित करने के लिए विश्व के चुनिंदा 20 गांवों में शामिल किया है। इससे हम बहुत उत्साहित है। हमने वनोपजों और कृषि उपजों के स्थानीय प्रसंस्करण को भी आर्थिक विकास की अपनी रणनीति में अत्यंत महत्वपूर्ण घटक के रूप में शामिल किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा, शासन द्वारा बनाई गई योजनाओं, कार्यक्रमों, नीतियों और सेवाओं की आम आदमी तक पहुंच के लिए जानकारियों और सूचनाओं की आम आदमी तक पहुंच सबसे प्राथमिक जरूरत है।

हिन्दी साप्ताहिक समाचार-पत्र

NAMASTE RAJASTHAN

नमस्ते राजस्थान

खबरों की सत्यता, निष्पक्षता, पारदर्शिता

E-MAIL
namasterajasthan11@gmail.Com
nrnews100@gmail.com

राजस्थान
08
भीलवाड़ा
रविवार 24 नवम्बर 2024

करण जौहर ने ‘बागी 4’ के लिए टाइगर श्रॉफ को दी शुभकामनाएं, साजिद को बताया दूरदर्शी

बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ की आगामी फिल्म ‘बागी 4’ की घोषणा इसके पहले पोस्टर के साथ कर दी है। यह फिल्म टाइगर श्रॉफ अभिनीत बागी की चौथी किस्त है। फिल्म के पहले पोस्टर के सामने आने के बाद करण जौहर ने शुभकामनाएं दी हैं। करण ने इंस्टाग्राम पर स्टोरी साझा करते हुए लिखा, दूरदर्शी साजिद...नाडियाडवाला और टाइगर जैकी श्रॉफ के साथ उनके घातक संयोजन और एक ब्लॉकबस्टर यात्रा की शुरुआत के लिए बधाई। करण के इस पोस्ट से लगता है कि वह इस फिल्म के लिए उत्साहित हैं।

टाइगर श्रॉफ का दिखा खूंखार अंदाज

सोमवार को निर्माताओं ने बागी 4 से टाइगर श्रॉफ का दिलचस्प पोस्टर साझा करते हुए फिल्म की घोषणा की। पोस्टर में टाइगर हाथ में चाकू और पास में शराब की बोतल लिए टॉयलेट सीट पर बैठे नजर आ रहे हैं। उनका चेहरा, दीवारें और फर्श खून से सना हुआ है। जबकि उनके चारों ओर कई शव पड़े हैं। बागी 4 का निर्देशन कन्नड़ फिल्म निर्माता ए हर्षा करेंगे, यह उनकी बॉलीवुड में पहली फिल्म है। फिल्म का निर्माण साजिद नाडियाडवाला ने नाडियाडवाला ग्रैंडसन बैनर तले किया है और यह 5 सितंबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

बागी फेंचाइजी

बागी फेंचाइजी की शुरुआत वर्ष 2016 में हुई थी। इसका निर्देशन सब्बीर खान ने किया था। फिल्म में टाइगर श्रॉफ, श्रद्धा कपूर और सुधीर बाबू मुख्य भूमिकाओं में थे। दूसरी किस्त, बागी 2 वर्ष 2018 में आई थी। अहमद खान द्वारा निर्देशित यह तेलुगु फिल्म क्षणम की रीमेक थी। इस फिल्म में टाइगर श्रॉफ के साथ दिशा पटानी, मनोज बाजपेयी और रणदीप हुड्डा भी नजर आए थे।

ये काली काली आंखें के साथ ओटीटी पर लौट रही हैं श्वेता त्रिपाठी

अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी फिर लौट आई हैं। मिर्जापुर, मसान में उनकी काली काली आंखों ने खूब जलवा दिखाया और अब जिस कहानी के साथ वह ओटीटी पर लौट रही हैं, उसका तो नाम ही है, ये काली काली आंखें। इस सीरीज के दूसरे सीजन में उनके किरदार पर ही लोगों की निगाहें टिकने वाली हैं क्योंकि बाकी सारे किरदार इस कहानी में अपने पत्ते पिछले सीजन में ही खोल चुके हैं।

श्वेता त्रिपाठी कहती हैं, मैं चाहती हूं कि मेरे किरदार मुझसे अलग हों और एक-दूसरे से भी अलग हों। मुझे वे दांव पसंद हैं जो उच्च ड्रामा के साथ आते हैं, जहां प्रत्येक किरदार की यात्रा गहन और प्रभावशाली लगती है। ये काली काली आंखें में शिखा का किरदार मेरे किरदार से बहुत अलग है और मैं उसकी दुनिया में कदम रखने की चुनौती का आनंद लेती हूं। सीरीज ये काली काली आखें के बारे में उनका कहना है, ये शो वास्तव में सवाल पूछता है कि आप प्यार के लिए कितनी दूर तक जाएंगे? इस सीजन में शिखा खुद को इसी यात्रा पर पाती है, और मुझे लगता है कि यह कुछ ऐसा है जो दर्शकों को गहराई में ले जाएगा और डराएगा भी। इस सीजन में, दर्शकों को मेरे किरदार का एक स्त्री और कमजोर पक्ष दिखाई देगा, फिर भी वह उग्र और दृढ़ है। यह जीवन में एक रोमांचक संतुलन है।

ये काली काली आंखे के दूसरे सीजन का नेटफ्लिक्स पर खास प्रचार प्रसार तो नहीं हो रहा है लिहाजा इसके कलाकार अपनी बातें अपनी टीम के जरिये ही दर्शकों तक पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं। इस सीरीज का पहला सीजन भी कुछ खास नहीं रहा। लेकिन, हां श्वेता को लोगों ने पसंद किया। इस बार भी वह कुछ नए कांड इस सीरीज में करने वाली हैं।

ीरीज में अपने किरदार के बारे में भी श्वेता ने खुलासा कर दिया है। वह बताती हैं, शिखा की दुनिया तब तबाह हो जाती है जब उसका सच्चा प्यार विक्रांत पूर्वा से शादी कर लेता है, जिससे वह खोई हुई और निराश महसूस करती है। स्वभाव से डरपोक और गैर-संघर्षशील, वह शुरू में दूसरों को नुकसान पहुंचाने के लिए किसी भी सीमा को पार करने से बचती है। इस सीजन में शिखा का एक नया पक्ष सामने आने वाला है क्योंकि वह विक्रांत के साथ अपने प्यार के लिए लड़ने का फैसला करती है।

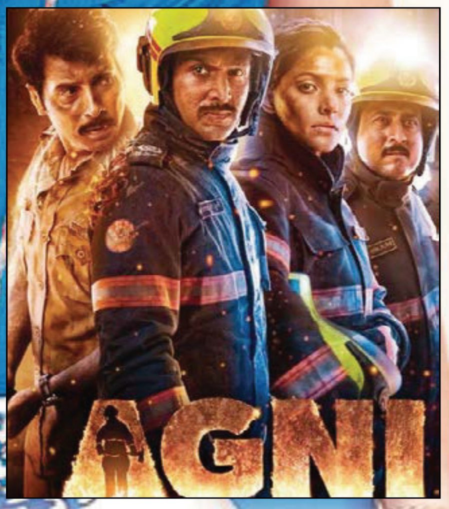

जारी हुआ अग्नि का ट्रेलर

फायरमैन के किरदार में प्रतीक गांधी

अग्नि का ट्रेलर सोशल मीडिया पर जारी हो गया है। 2 मिनट 43 सेकेंड के ट्रेलर फायर ब्रिगेड कर्मचारियों के संघर्ष की कहानी को अलग तरीके से दर्शकों के सामने प्रस्तुत किया गया है। फिल्म में प्रतीक गांधी फायर ब्रिगेड कर्मचारी की भूमिका में नजर आने वाले हैं। वहीं, मिर्जापुर के मुन्ना भैया यानी दिव्येंदु को पुलिस अधिकारी की भूमिका में नजर आएंगे। ट्रेलर की शुरुआत में कहा जाता है कि जब आग लगती है तो हम किसे बुलाते हैं..बच्चे कहते हैं भगवान को। तो फायर ब्रिगेड कर्मचारी पूछता है, और किसे तो जवाब आता है फायर ब्रिगेड को। फिल्म के ट्रेलर में फायर ब्रिगेड कर्मचारियों के जीवन की कहानी बयां की जा रही है, जिसमें प्रतीक गांधी अहम रोल निभा रहे हैं।

शादी की खबरों पर मीनाक्षी चौधरी ने चुप्पी तोड़ी

मीनाक्षी चौधरी साउथ की बेहतरीन अभिनेत्रियों में से एक हैं। वर्तमान में अभिनेत्री के पास कई फिल्में हैं। हाल ही में उनकी फिल्म मटका रिलीज हुई, जिसमें वे साउथ अभिनेता वरुण तेज के साथ नजर आईं। हालांकि, इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुकाबले प्रदर्शन नहीं किया। वहीं, अब अभिनेत्री अपनी अगली फिल्मों की तैयारियों में व्यस्त हो गई हैं। इस बीच अभिनेत्री की शादी की चर्चाओं ने भी तूल पकड़ा। वहीं, अब खुद मीनाक्षी ने अपनी शादी की खबरों पर चुप्पी तोड़ी है।

नागार्जुन के भतीजे को मीनाक्षी कर रहीं डेट?

दरअसल, पिछले कुछ हफ्तों में सोशल मीडिया एक अफवाह उड़ी कि नागार्जुन के भतीजे सुशांत मीनाक्षी चौधरी से शादी करने वाले हैं। इस जोड़ी ने फिल्म इचता वाहनमुलु निलुपराधु में काम किया था। यह अफवाह क्यों और कैसे उड़ी, इसका कोई कारण नहीं पता, लेकिन यह वायरल हो गई। दावा किया गया कि वे नागार्जुन के भतीजे सुशांत को डेट कर रही हैं और अब शादी करने वाली हैं।

शादी की खबरों को बताया झूठा

मीनाक्षी चौधरी की इस साल की छठी फिल्म मैकेनिक रॉकी जल्द ही रिलीज होने वाली हैं। अभिनेत्री फिल्म के प्रचार में जुटी हुई हैं। हालांकि, कल रात मैकेनिक रॉकी के प्री-रिलीज इवेंट के दौरान मीनाक्षी ने इस बात को साफ कर दिया। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि उन्होंने भी ये अफवाहें सुनी हैं और उनका सख्त रूप से खंडन किया है। साथ ही उन्होंने कुछ फिल्मों का हिस्सा होने की खबरों का भी खंडन किया।

सिंगल हैं अभिनेत्री

मीनाक्षी ने आखिरकार स्पष्ट किया कि वह शादी नहीं कर रही हैं। मीनाक्षी ने कहा, यह एक अफवाह है और मैं शादी नहीं कर रही हूं। मुझे नहीं पता कि ये अफवाहें क्यों उड़ती हैं। एक दिन, मैंने पढ़ा कि मैं सालार का हिस्सा हूं और दूसरे दिन, मैंने पढ़ा कि मैं विश्वंभरा का हिस्सा हूं। अभिनेत्री ने यह भी पुष्टि की कि वह फिलहाल सिंगल हैं। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, मैं फिलहाल सिंगल हूं, लेकिन अभी शादी के लिए तैयार नहीं हूं।

मीनाक्षी की आने वाली फिल्में

वहीं, बात करें मीनाक्षी चौधरी की आने वाली फिल्मों के बारे में तो वे विक्ट्री वेंकटेश के साथ संक्रांतिकी वस्तुन्नम के लिए कमर कस रही हैं, जो संक्रांति 2025 के दौरान एक भव्य रिलीज के लिए तैयार है। उन्होंने नागा चैतन्य के साथ एक प्रोजेक्ट साइन किया है, हालांकि आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है। मैकेनिक रॉकी इस महीने की 22 तारीख को सिनेमाघरों में आ रही है। श्रद्धा श्रीनाथ भी इस फिल्म का हिस्सा हैं।

एक फिल्म के अंदर गुड्डू पंडित को ढालने को लेकर निश्चित नहीं हैं अली

मिर्जापुर अमेजन प्राइम वीडियो की बेहद लोकप्रिय और सफल वेब सीरीज है। हाल में इस पर फिल्म बनाने की घोषणा की गई है, जिसके बाद से फैंस अपने पसंदीदा किरदारों को फिल्मी पर्दे पर देखने के लिए काफी बेकरार हैं। हाल में ही एक इंटरव्यू के दौरान सीरीज में गुड्डू भैया के किरदार में नजर आए अभिनेता अली फजल ने इसे लेकर बात की है। उन्होंने अपने किरदार की फिल्मी रुपांतरण पर संदेह जताते हुए कहा कि वह पूरी तरह से निश्चित नहीं है कि एक फिल्म के अंदर किस तरह से उनके इस किरदार को समाया जा सकेगा। अभिनेता ने मिर्जापुर फिल्म को लेकर कहा कि अब तीनों सीजन की चीजों को नए प्रारूप में ढाल कर एक फिल्म के अंदर लाना काफी चुनौती भरा होगा। उन्होंने कहा कि वो इसे लेकर पूरी तरह से निश्चित नहीं हैं। उन्होंने कहा, यह सब इस बात पर निर्भर करता है कि कहानी इस नए प्रारूप में कैसे सामने आती है। उन्होंने फिल्म को लेकर उत्सुकता जताते हुए कहा कि यह टीम के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इस दौरान उन्होंने लोकप्रिय हॉलीवुड सीरीज पीकी ब्लाइंडर्स का जिक्र करते हुए कहा कि लगभग उस समय ही इस शो को भी फिल्म के रूप में रूपांतरित करने की घोषणा की गई थी।

बड़े पर्दे पर तीनों सीजन की कहानी को फिट करना होगी चुनौती

अपने किरदार को लेकर बात करते हुए अली फजल ने कहा कि उन्हें यकीन नहीं है कि उनकी भूमिका को और कितना आगे बढ़ाया जा सकता है, यह देखते हुए कि कई पहलुओं पर पहले ही काम किया जा चुका है। अभिनेता ने यह भी चर्चा की कि निर्माताओं के लिए उनके इतने बड़े किरदार को पर्दे पर फिट करना काफी चुनौतीपूर्ण होगा। अभिनेता ने कहा, अब लक्ष्य तीनों सीजन की कहानी को एक या दो घंटे के संक्षिप्त सिनेमाई अनुभव में बदलना है, जो काफी चुनौतीपूर्ण है। यह सब इस बात पर निर्भर करता है कि कहानी इस नए प्रारूप में कैसे सामने आती है। हाल ही में, निर्माताओं द्वारा मिर्जापुर फिल्म की घोषणा करते हुए पंकज त्रिपाठी, अली फजल, दिव्येंदु और अभिषेक बनर्जी की झलक दिखाई गई थी। फरहान अख्तर द्वारा साझा किए गए इस वीडियो जानकारी साझा करते हुए बताया गया कि मिर्जापुर- द फिल्म साल 2026 में सिनेमाघरों में आएगी। फरहान ने अपने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, अब भौकाल भी बड़ा होगा और पर्दा भी। मिर्जापुर द फिल्म, जल्द ही आ रही है।

ऋतिक रोशन के कालीन भैया के किरदार में नजर आने की है अफवाह

फिल्म की घोषणा के बाद से ही इसे लेकर अफवाहों को दौर भी शुरू हो गया है। ऐसी ही एक अफवाह में कहा जा रहा है कि मिर्जापुर फिल्म में कालीन भैया की भूमिका में पंकज त्रिपाठी की जगह ऋतिक रोशन को लिया जाएगा। यह फिल्म मिर्जापुर की दुनिया में और गहराई से उतरेगी, जिसके तहत इसके मूल किरदार अपनी लोकप्रिय भूमिकाओं को दोबारार से निभाते हुए नजर आएंगे। बताते चलें कि मिर्जापुर- द फिल्म को अमेजन एमजीएम स्टूडियो और एक्सेल एंटरटेनमेंट द्वारा समर्थित किया गया है। वहीं, फिल्म का निर्माण पुनीत कृष्णा ने किया है और गुरमीत सिंह इसका निर्देशन करने वाले हैं।

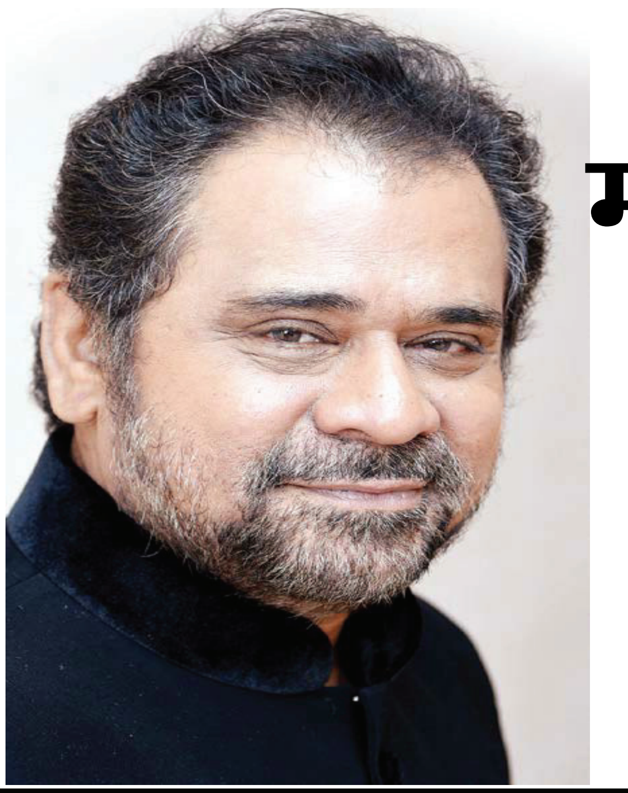

शाहिद कपूर के साथ मतभेद की अटकलों पर बोले अनीस बज्मी

अनीस बज्मी इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म भूल भुलैया 3 की सफलता का आनंद ले रहे हैं। हाल में ही कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में ये बताया जा रहा था कि शाहिद और रश्मिका मंदाना के साथ अनीस बज्मी की कॉमेडी फिल्म अगस्त 2023 में शुरू होने वाली थी, लेकिन रचनात्मक मतभेदों के कारण कपूर के बाहर चले जाने के बाद इसे बंद कर दिया गया।

न किसी से दुश्मनी है न नाराजगी

न्यूज 18 के साथ एक इंटरव्यू के दौरान निर्देशक ने बंद हो चुकी कॉमेडी फिल्म के लिए शाहिद कपूर के साथ फिर से जुड़ने का संकेत दिया है। निर्देशक ने कहा, मेरे दिमाग में अभी भी वह फिल्म है। इस दौरान उन्होंने शाहिद के साथ फिर से काम करने को लेकर उत्साह व्यक्त किया और उनकी प्रतिभा की प्रशंसा भी की।इस दौरान उन्होंने स्पष्ट करते हुए कहा कि उनके बीच कोई मतभेद या दुश्मनी नहीं है। निर्देशक के इस बात से दोनों को लेकर भविष्य में साथ काम करने की संभावनाएं जाहिर होती हैं। उन्होंने साफ-साफ कहा, मुझे किसी से न दुश्मनी है न नाराजगी।

स्पष्ट बातें भ्रम से बचाने में मददगार होती हैं

अनीस बज्मी ने विवाद की अफवाहों को संबोधित करते हुए बताया कि फिल्म निर्माण के लिए आपसी समझ और ईमानदारी की आवश्यकता होती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अपेक्षाओं के बारे में स्पष्ट बातें भ्रम से बचने में काफी मददगार होती हैं। अपनी खुद की कार्यशैली को स्वीकार करते हुए, उन्होंने कहा कि वर्षों के अनुभव के बाद, उनके लिए अपना दृष्टिकोण बदलना अब काफी चुनौतीपूर्ण है।

साथ आएंगे तो, बेहतर फिल्म ही बनाएंगे

अनीस बज्मी ने आगे कहा कि शाहिद का भी उनके जैसा ही काम करने और सोचने का अपना एक अलग तरीका है। उन्होंने कहा कि दोनों के दृष्टिकोण हमेशा मेल नहीं खाते, लेकिन उनका मानना है कि यह बिल्कुल ठीक है। उन्होंने उल्लेख किया कि अगर भविष्य में उनकी संवेदनाएं मेल खाती हैं, तो वे निश्चित रूप से फिर से सहयोग करेंगे। निर्देशक ने दोनों के बीच के रिश्ते को लेकर कहा कि इस स्थिति ने उनके बंधन को प्रभावित नहीं किया है। उन्होंने साझा किया कि शाहिद हमेशा उन्हें प्यार और सम्मान के साथ बधाई देते हैं, और वह अभिनेता को लेकर भी ऐसा ही महसूस करते हैं। भूल भुलैया 3 निर्देशक ने आगे कहा कि जब वे फिर से साथ आएंगे, तो बिनी किसी शंका के एक बेहतरीन फिल्म बनाएंगे।

शाहिद और अनीस बज्मी का वर्क फ्रंट

बात करें, शाहिद कपूर के वर्क फ्रंट की, तो उनकी आगामी फिल्म देवा है, जो प्रसिद्ध मलयालम फिल्म निर्माता रोशन एंड्रयूज द्वारा निर्देशित एक एक्शन से भरपूर मनोरंजक फिल्म है। ये फिल्म 14 फरवरी, 2025 को वैलेंटाइन डे पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में पूजा हेगड़े, पावेल गुलाटी और कुब्रा सैत भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आने वाले हैं। इसके अलावा शाहिद कपूर अश्वत्थामा- द सागा कंटीन्यूजमें काम करने वाले हैं। वहीं, बात करें अनीस बज्मी की, तो कहा जा रहा है कि वो नो एंट्री के सीक्वल की तैयारियां कर रहे हैं।

स्वात्वाधिकारीः प्रकाशक एवं मुदकः पंकज गर्ग द्वारा नमस्ते राजस्थान 14/71, प्रेम भवन, चितौडवालो की हवेली के पास, इंद्रा मार्केट के सामने, शाम की सब्जी मंडी रोड, भोपालगंज, भीलवाड़ा, राजस्थान 311001 से प्रकाशित एवं डीबी कॉर्प लि. दैनिक भास्कर प्रिंटिग प्लांट, 12 इंद्रा सर्किल, गठिलाखेडा, शारदा ड्रिम कॉलोनी के पास चितौड रोड़, भीलवाड़ा राजस्थान से मुदित। संपादकः पंकज गर्ग, कार्यालय नंबरः 01482-455184, मों. 9214417111, 8005910698, E-MAIL:namasterajasthan11@gmail.com, nrnews100@gmail.com